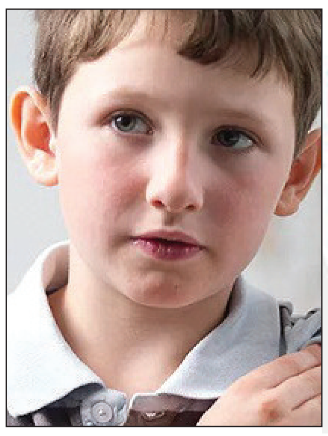

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बच्चों की ग्रोथ जानने के लिए कराएं ये 5 जरूरी टेस्ट, हर पेरेंट्स पेज: 7

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेयू को कल्याणी प्रियदर्शन पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 61 | मंगलवार 02 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'पीठ में छुरा या वफादारी का कत्ल?'... मंत्री जमीर अहमद खान के कथित ऑडियो लीक से हिली कांग्रेस

नई दिल्ली एजेंसीः कर्नाटक में एक तरफ कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने का जश्न मना रही है और 3 जून को होने वाले डी.के. शिवकुमार के भव्य शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के भीतर से वफादारी और विश्वासघात की एक ऐसी खौफनाक कहानी सामने आई है जिसने आलाकमान की नींद उड़ा दी है। कैबिनेट गठन की चचाओं के बीच एक कथित ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो रही है, जिसने कांग्रेस खेमे में भारी असंतोष और हड़कंप मचा दिया है। इस लीक ऑडियो में कथित तौर पर राज्य के कद्दावर नेता और मंत्री बी. जमीर अहमद खान को दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट के उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को ही हराने की गुप्त साजिश रचते हुए

विकसित देशों से व्यापार समझौते हर भारतीय का जीवन स्तर सुधारेंगे : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली एजेंसीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) और उससे होने वाले लाभों पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का एक लेख साझा किया है। लेख में बताया गया है कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंच बनाने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, किसानों के हितों की रक्षा करने और भारत-ओमान के बीच साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। निर्यात और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा लेख में कहा गया है कि भारत-ओमान सीईपीए भारतीय निर्यातकों के लिए बाजारों

में विविधता लाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। इसके साथ ही यह समझौता रोजगार के नए अवसर सृजित करने और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति देने में भी सहायक होगा। किसानों के हितों की सुरक्षा पर जोर लेख के अनुसार, समझौते को इस तरह तैयार किया गया है कि भारतीय किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। साथ ही

भारतीय निर्यातकों को बाजारों में विविधता लाने........

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने लेख में इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारत-ओमान सीईपीए भारतीय निर्यातकों को बाजारों में विविधता लाने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, किसानों के हितों की रक्षा करने और दोनों देशों के बीच साझा समृद्धि को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग बढ़ाकर साझा आर्थिक समृद्धि को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने किया पोस्ट प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने लेख में इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारत-ओमान सीईपीए भारतीय निर्यातकों को बाजारों में विविधता लाने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, किसानों के हितों की रक्षा करने और दोनों देशों के बीच साझा समृद्धि को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। विकसित देशों के साथ समझौतों पर सरकार का फोकस पीएम नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयास प्रत्येक भारतीय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसे समझौते भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति देने के साथ-साथ नागरिकों के लिए बेहतर अवसर भी पैदा करेंगे।

ममता बनर्जी का बागियों को कड़ा संदेश, संदीपन साहा और ऋत्तब्रत बनर्जी टीएमसी से निष्कासित

नई दिल्ली एजेंसीः तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को अपने दो विधायकों, संदीपन साहा और ऋतब्रता बनर्जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद टीएमसी के सत्ता से बेदखल होने के बाद पार्टी नेताओं के बीच बढ़ते असंतोष के बीच आया है। एक बयान में, टीएमसी ने कहा कि साहा और बनर्जी रविवार को पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित कालीघाट आवास पर बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं हुए। बयान में यह भी कहा गया कि दोनों नेताओं द्वारा ऐसे बयान दिए गए हैं जो तृणमूल के हितों के लिए हानिकारक हैं। टीएमसी के बयान में कहा गया

कि मामले पर उचित विचार करने के बाद, एआईटीसी के सक्षम प्राधिकारी ने आपको तत्काल प्रभाव से पार्टी की (प्राथमिक) सदस्यता से निष्कासित करने का निर्णय लिया है। परिणामस्वरूप, इस नोटिस के जारी होने की तिथि से आप पार्टी से संबंधित किसी भी पद, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार से मुक्त हो जाएंगे। पूर्व राज्यसभा सांसद रितब्रता, जो 2017 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से टीएमसी में शामिल हुए थे, उलुबेरिया पुरबा निर्वाचन क्षेत्र से पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार रुद्र प्रसाद बनर्जी को 11,800 से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। संदीपन की बात करें तो, वे एंटाली से विधायक हैं। टीएमसी के पूर्व विधायक स्वर्ण कमल साहा के पुत्र संदीपन ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की प्रियंका तिबरेवाल को 34,000 से अधिक वोटों से हराया था। संदीपन और रितब्रता दोनों उन 60 विधायकों में शामिल थे जो रविवार की बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पहले दिन में, संदीपन ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि ममता के आवास पर बैठक उचित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना बुलाई गई थी। उन्होंने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से फर्जी हस्ताक्षर जांच पर भी सवाल उठाया। संदीपान ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि इससे पहले एक बैठक हुई थी। उसमें पार्टी नेता, उपनेता और मुख्य सचेतक के पद को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया था।

अमरनाथ यात्रा से पहले जम्मू में हाई-लेवल सुरक्षा समीक्षा, चप्पे-चप्पे पर रहेगी पैनी नजर

नई दिल्ली एजेंसीः अगले महीने शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस साल 57 दिनों की अमरनाथ तीर्थयात्रा 3 जुलाई को दो मार्गों, अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा छोटा लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बाल्टल मार्ग से शुरू होगी। यह तीर्थयात्रा श्रावण मास की पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन पर 28 अगस्त को समाप्त होगी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने

भगवती नगर आधार शिविर का दौरा किया और पंजीकरण काउंटर, आरएफआईडी केंद्र, आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा सहित तैयारियों की समीक्षा की। कुमार ने कहा कि भगवती नगर में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं, जो वार्षिक यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मुख्य आधार शिविर के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यइस निरीक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर तैयारियों की समीक्षा करना और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना था। पंजीकरण सुविधाओं, आरएफआईडी सेवाओं, स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वच्छता व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया। संभागीय आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यों को समय पर पूरा करने और तीर्थयात्रा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ चर्चा की गई। आईजीपी ने सुरक्षा बलों की तैनाती योजना की समीक्षा की और सभी ठहरने के केंद्रों पर उचित रोशनी की व्यवस्था और यात्रा के निर्धारित समय का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया। टूटी ने कठुआ और सांबा जिलों में सुरक्षा संबंधित तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर अधिकतम सतर्कता बनाए रखने तथा निगरानी उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया। पुलिस महानिरीक्षक ने लखनपुर में आधार शिविर, यात्री निवास केंद्र और आगंतुक स्वागत सुविधाओं का निरीक्षण किया

मध्य प्रदेश में यूसीसी लागू होगी, सीएम मोहन यादव ने जनता से मांगे सुझाव

भोपाल एजेंसीः मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य में जल्द ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी और उन्होंने नागरिकों से नवनिर्मित ऑनलाइन परामर्श पोर्टल के माध्यम से अपने विचार साझा करने का आग्रह किया। मीडिया को दिए एक बयान में यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित छह सदस्यीय समिति राज्य में यूसीसी के कार्यान्वयन पर धार्मिक नेताओं के मत एकत्र करेगी। मोहन यादव ने कहा कि आज के समय में धार्मिक, सामाजिक या पारिवारिक मतभेदों की कोई आवश्यकता नहीं है; यूसीसी की ओर बढ़ने की आवश्यकता है, और मैं जनता से वेबसाइट पर अपने सुझाव साझा करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि चाहे महिलाओं से जुड़े तलाक के मामले हों, पारिवारिक परंपराएं हों या विभिन्न धार्मिक प्रथाएं

हों, कानूनी और सामाजिक भेदभाव की कोई आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्यों ने पहले ही इस संहिता के लिए रूपरेखा अपना ली है और मध्य प्रदेश भी जल्द ही इसका अनुसरण करेगा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रसाद देसाई की अध्यक्षता में गठित समिति वर्तमान में विभिन्न जिलों का दौरा कर सभी समुदायों के हितधारकों से सुझाव एकत्र कर रही है। यादव ने कहा कि अपनी रिपोर्ट तैयार करने के बाद समिति एक मसौदा विधेयक प्रस्तुत करेगी। राज्य सरकार यथाशीघ्र समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए उत्सुक है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों, सामाजिक समूहों और धार्मिक संगठनों से इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यूसीसी के संबंध में एक वेबसाइट शुरू की गई है। मैं जनता से अपने सुझाव साझा करने का आग्रह करता हूं।

कृपया प्रतीक्षा करें: अन्नामलाई का बड़ा बयान, क्या भाजपा से अलग होगी नई राह?

नई दिल्ली एजेंसीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के अन्नामलाई ने सोमवार को अपने बारे में चल रही उन अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा जा रहा था कि वे भाजपा से इस्तीफा देकर नई पार्टी बना सकते हैं। नई दिल्ली रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष ने लोगों से इंतजार करने को कहा और बताया कि कुछ दिनों में सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। अन्नामलाई ने कहा कृपया प्रतीक्षा करें। हम दो दिन में बैठकर बात करेंगे। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि अन्नामलाई भाजपा छोड़कर नई राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात का अनुरोध भी किया है, जहां वे भाजपा में अपने भविष्य पर चर्चा कर सकते हैं। कुछ खबरों में यह भी कहा गया है कि अन्नामलाई नई दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात कर सकते हैं। अटकलों के मुताबिक, अन्नामलाई 4 जून को अपने जन्मदिन पर अपनी राजनीतिक पार्टी लॉन्च कर सकते हैं। मदुरै और कोयंबटूर में उनके '2.0 अवतार' वाले पोस्टर भी सामने आए हैं, जिससे लोगों में यह आशंका पैदा हो गई है कि अन्नामलाई भाजपा से अलग हो सकते हैं। इससे पहले, पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी ने केंद्र सरकार की तीन-भाषा नीति पर खुले तौर पर सवाल उठाए थे। उनके उस पोस्ट ने, जिसमें उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से इस नीति को रद्द करने की अपील की थी, इस बात की अटकलों को हवा दी थी कि वे भाजपा से नाखुश हैं। यह उल्लेखनीय है

साइबर घोटालों पर पीएम मोदी का सख्त रुख, फंसे भारतीयों की वापसी पर बनी सहमति

नई दिल्ली एजेंसीः म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए भारत के समर्थन को दोहराया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि दोनों देशों ने अपनी-अपनी धरती का इस्तेमाल एक-दूसरे के खिलाफ न होने देने पर सहमति जताई है। म्यांमार के राष्ट्रपति ने विशेष रूप से भरोसा दिलाया कि उनकी जमीन का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा। व्यापार-तकनीकी सहयोग पर जोर इस यात्रा के दौरान म्यांमार के राष्ट्रपति ने भारत-म्यांमार बिजनेस कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लिया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार इस समय 2 अरब डॉलर से कुछ ज्यादा का है, जिसमें भारत का निर्यात 600 मिलियन डॉलर और म्यांमार का निर्यात 1.5 अरब डॉलर से अधिक है। इस दौरे का मुख्य फोकस टेक्नोलॉजी, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सहयोग पर है। इसी सिलसिले में

उन्होंने ग्रेटर नोएडा में एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी सेंटर का भी दौरा किया और वे कल मुंबई के लिए रवाना होंगे। म्यांमार के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को म्यांमार आने का न्योता भी दिया है। साइबर घोटाले-मानव तस्करी का मुद्दा एएनआई के एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश सचिव ने बताया कि बैठक में साइबर स्कैम नेटवर्क और भारतीय नागरिकों की तस्करी के गंभीर मुद्दे पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत इस मामले पर म्यांमार के साथ लगातार सहयोग कर रहा है। फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के प्रयास ताजा आंकड़ों के मुताबिक, करीब 150 से ज्यादा भारतीय नागरिक अब भी म्यांमार के साइबर स्कैम कंपाउंड्स में फंसे हुए हैं, जिन्हें वापस लाने के लिए म्यांमार सरकार से बातचीत चल रही है। अब तक 2,411 लोगों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। विदेश सचिव ने बताया कि इन भारतीय नागरिकों को अक्सर किसी तीसरे देश के रास्ते म्यांमार तस्करी करके लाया जाता है, इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए न केवल द्विपक्षीय बल्कि बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय सहयोग की भी बेहद जरूरत है।

बंगाल की सत्ता का महा-विस्तार! सुवेंदु सरकार ने बुना मंत्रियों का चक्रव्यूह, 35 भाजपा विधायकों ने ली शपथ

बंगाल एजेंसीः पश्चिम बंगाल की सियासत में सोमवार को एक ऐतिहासिक और बेहद महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी कैबिनेट का पहला और सबसे बड़ा विस्तार कर दिया है। कोलकाता के राजभवन (लोक भवन) में आयोजित एक भव्य और हाई-प्रोफाइल शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 35 विधायकों ने मंत्री पद की गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल आर. एन. रवि ने सभी नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ ही सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के गढ़ों को ध्वस्त करने वाले अपने सबसे भरोसेमंद और आक्रामक चेहरों को सरकार की कमान सौंप दी है। संवैधानिक सीमा और कैबिनेट का गणित भारत के संविधान के अनुच्छेद 164(1ए) के तहत किसी भी राज्य में मंत्रियों की कुल संख्या मुख्यमंत्री सहित वहां की विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इस नियम के अनुसार, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं। सोमवार को हुए

35 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद अब सुवेंदु कैबिनेट ने अपनी पूरी ताकत और आकार ले लिया है। इस विस्तार में कद्दावर नेताओं के साथ-साथ युवा और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों को भी तरजीह दी गई है, जिनमें राजेश महता, इंद्रनील खान और मालती रावा रॉय शामिल हैं। टीएमसी के दिग्गजों को धूल चटाने वाले चेहरे शामिल इस कैबिनेट विस्तार की सबसे खास बात यह है कि इसमें उन चेहरों को इनाम दिया गया है जिन्होंने हालिया चुनावों में ममता बनर्जी की पार्टी के बड़े-बड़े किलों और रसूखदार नेताओं को

पश्चिम बंगाल की सियासत में सोमवार को एक ऐतिहासिक और बेहद महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी कैबिनेट का पहला और सबसे बड़ा विस्तार कर दिया है।

भारी अंतर से शिकस्त दी थी। अर्जुन सिंह, तापस रॉय, स्वपन दासगुप्ता, शंकर घोष और पूर्व क्रिकेटर अशोक डिंडा जैसे कद्दावर नेताओं को कैबिनेट में शामिल कर मुख्यमंत्री ने साफ संदेश दे दिया है कि सरकार का रवैया बेहद आक्रामक और विकासोन्मुखी रहने वाला है। सुवेंदु कैबिनेटः शपथ लेने वाले 23 प्रमुख मंत्रियों की पूरी लिस्ट पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की कैबिनेट के इस मेगा विस्तार में कुल 35 मंत्रियों ने शपथ ली है, जिनमें से 23 प्रमुख मंत्रियों की सूची उनके निर्वाचन क्षेत्रों और चुनावी इतिहास के साथ बेहद प्रभावशाली है। इस नई कैबिनेट में फलाकाटा से दीपक बर्मन, मानिकतला से तापस रॉय, सिलीगुड़ी से शंकर घोष, कुमारग्राम से मनोज कुमार उरांव, और मुर्शिदाबाद से गौरी शंकर घोष को शामिल किया गया है। इनके अलावा राशबिहारी से स्वपन दासगुप्ता, खरदह से कल्याण चक्रवर्ती, सिंगूर से अरूप कुमार दास, मयूरेश्वर से दूध कुमार मंडल, बिधाननगर से शरद्वत मुखर्जी, सूरी से जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, और नोआपारा से अर्जुन सिंह ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली है। सरकार में स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री के तौर पर तुफानगंज से मालती रावा रॉय, गोपीबल्लभपुर से राजेश महता, और बेहाला पश्चिम से इंद्रनील खान को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संपादकीय

चौतरफा महंगाई

बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों से पता चला कि एक माह के भीतर ही थोक महंगाई दर दुगनी हो गई है। जो कि पिछले 42 महीनों के उच्चतम स्तर पर जा पहुंची है। अब शुक्रवार को पेट्रोल व डीजल तथा सीएनजी के दामों में वृद्धि ने आम आदमी को व्यथित कर दिया। जाहिर है पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि से न केवल यातायात महंगा हो जाता है बल्कि मालभाड़ा बढ़ने से हर चीज के दामों में उछाल आ जाता है। वहीं रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनियां दुहाई दे रही हैं कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि से उनकी उत्पादन लागत में दस से बीस फीसदी की वृद्धि हुई है। फलतः इन कंपनियों ने छूट व प्रचार खर्च में कटौती कर-के भंडारण क्षमता व आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना प्राथमिक लक्ष्य बनाया है। अतः देश की एफएमसीजी रोजमर्रा के सामान की लागत बढ़ने व मुनाफे पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिये चरणबद्ध तरीके से वस्तुओं के दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह भी हकीकत है कि पिछली तिमाही में ये एफएमसीजी पहले ही तीन से पांच प्रतिशत की वृद्धि वस्तुओं की कीमतों में कर चुकी हैं। फलतः आम उपभोक्ता को अभी और महंगाई को झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि रुपये के गिरते मूल्य ने भी कीमतें बढ़ाने का दबाव बनाया है। कंपनियां अपना मुनाफा बनाये रखने के लिये कीमतें बढ़ाने और पैकेटबंद उत्पादों की मात्रा घटाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। आशंका जतायी जा रही है कि पेट्रोल व डीजल के दामों में तीन-तीन रुपये की वृद्धि के बाद टेलीकॉम कंपनियां रिचार्ज प्लान बढ़ा सकती हैं। उनका दावा है कि मोबाइल टॉवर को चलाने में आने वाला 40 फीसदी खर्च सिर्फ पेट्रोल और बिजली पर होता है। यह खर्चा टैरिफ बढ़ाकर ग्राहकों पर डाला जा सकता है। वहीं सरकारी तेल कंपनियां कह रही हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद उन्होंने मामूली वृद्धि पेट्रोल व डीजल के दामों में की है। निश्चित रूप से पश्चिम एशिया संकट के चलते उपजे हालात ने बताया है कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा नीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन की खपत को कम करने के आह्वान के कुछ दिन बाद ही पेट्रोल, डीजल व सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी चार साल से अधिक समय में पहली बार की गई है। निस्संदेह, खाड़ी संकट से उपजे हालात में कीमतों में यह वृद्धि अनिवार्य लग रही थी। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु आदि राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के चलते ही सरकार ने यह कदम देर से उठाया है। चुनाव परिणाम आने के बाद जब हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ईंधन खपत में कटौती करने का आगाह किया था, तो संकेत माना गया कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान की ओर इशारा करते हुए मूल्य वृद्धि का बचाव किया है। रिपोर्ट बताती है कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेलर्स रोजाना एक हजार करोड़ का नुकसान उठा रहे हैं,जबकि कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल थी। निस्संदेह, पहले ही मुद्रास्फीति व स्थिर आय से जूझ रहे नागरिकों को सरकार की यह दलील गले नहीं उतरेगी। वैसे भी चुनावी रणनीति के मद्देनजर संचालित आर्थिक निर्णय सार्वजनिक विश्वास में कमी लाते हैं। जाहिर बात है कि करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवार, किसान व छोटे व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए बढ़ी ईंधन दरें जल्दी ही भोजन, परिवहन और आवश्यक वस्तुओं को महंगा बना देती हैं।

चिंतन-मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

केरल से कांग्रेस आलाकमान का संदेशः जमीनी नेताओं को मिलेगी कमान

दिलीप कुमार पाठक

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने एक बहुत बड़ा और सकारात्मक राजनीतिक फैसला लिया है। दिल्ली दरबार ने किसी भी गुटबाजी के आगे न झुकते हुए केरल के लोकप्रिय नेता वी. डी. सतीशन को नया मुख्यमंत्री चुनकर देश भर के कार्यकताओं को एक ठोस संदेश दिया है। यह संदेश जनता की तरफ से नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस नेतृत्व की ओर से आया है, जिसने यह जता दिया है कि अब पार्टी पुराने ढर्रे और गलतियों से सबक सीख चुकी है।

आलाकमान का यह कदम साफ इशारा करता है कि संगठन को मजबूत करने के लिए अब केवल जमीन पर पसीना बहाने वाले चेहरों को ही तवज्जो दी जाएगी।कांग्रेस के इतिहास में लंबे समय से एक बड़ी कमजोरी रही है, जहां जमीन पर रात-दिन काम करने वाले जनप्रिय नेताओं की जगह दिल्ली में लॉबिंग करने वाले नेताओं को कमान सौंप दी जाती थी। मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों में जनता और कार्यकर्ता दिल से चाहते थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट जैसे ऊर्जावान युवाओं को मुख्यमंत्री बनाया जाए। लेकिन दिल्ली दरबार ने पुराने समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए कमलनाथ और अशोक गहलोत के हाथों में सत्ता सौंप दी। नतीजा यह हुआ कि संगठन कमजोर होता गया और अंदरूनी कलह से राज्यों में बनी-बनाई सरकारें हाथ से निकल गईं या कमजोर हो गईं। ठीक ऐसा ही हाल आज कर्नाटक और हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कर्नाटक में सिद्धासरमैया और डी. के. शिवकुमार के बीच की खींचतान और हरियाणा की आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है। केरल के ताजा फैसले से कार्यकर्ताओं में यह बड़ी उम्मीद जगी है कि आलाकमान अब बहुत जल्द कर्नाटक और हरियाणा की इस आपसी लड़ाई को भी इसी कड़े नेतृत्व के साथ हमेशा के लिए दूर करेगा। पार्टी के शीर्ष नेताओं को अब बिना वक्त गंवाए इन दोनों राज्यों के मतभेदों को सुलझाना चाहिए ताकि वहां भी संगठन को एकजुट और मजबूत किया जा सके। केरल में लिया गया यह फैसला पूरी पार्टी के लिए एक बेहतरीन नजीर बन गया है।

वी. डी. सतीशन पिछले पांच सालों से विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में लगातार सरकार को घेर रहे थे और कार्यकताओं के सुख-दुख में साथ खड़े थे। आलाकमान ने जमीनी हकीकत को सर्वोपरि मानकर उनके नाम पर मुहर लगाई। इससे पैराशूट नेताओं का दौर खत्म हुआ है और कार्यकताओं में नया उत्साह जागा है। उन्हें यह भरोसा मिला है कि अब दिल्ली की पैरवी नहीं, बल्कि जमीन पर किया गया काम ही नेता तय करेगा। इस निर्णय के साथ ही विपक्ष का वह एजेंडा भी पूरी तरह हवा में उड़ गया, जिसमें दुष्प्रचार किया जा रहा था कि होने वाले मुख्यमंत्री इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के पसंदीदा हैं और कांग्रेस तुष्टिकरण के रास्ते पर चल रही है। सतीशन की धर्मनिरपेक्ष और बेदाग छवि ने इस पूरे राजनीतिक एजेंडे को ध्वस्त कर दिया है। क्यों कि मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने से ठीक पहले, वी. डी. सतीशन ने तिरुवनंतपुरम के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर जाकर भगवान विष्णु की पूरी विधि-विधान से पूजा-पाठ की और उनका आशीर्वाद लिया। पारंपरिक सफेद मुंडू और शॉल में उनकी मंदिर की ये तस्वीरें यह साफ करती हैं कि वे जनता की सांस्कृतिक आस्थाओं का कितना गहराई से सम्मान करते हैं और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। कुल मिलाकर, केरल के बहाने कांग्रेस आलाकमान ने खुद को बदलने और सुधारने का एक बड़ा संदेश दिया है। अब पार्टी को बिना समय गंवाए कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में चल रहे पुराने मकड़जाल को भी पूरी तरह साफ करना होगा। जब तक दिल्ली से थोपे जाने वाले फैसलों को बंद करके जमीनी संघर्ष करने वालों को हक नहीं मिलेगा, तब तक पूरे देश में संगठन मजबूत नहीं हो सकता। केरल का यह नया मॉडल ही कांग्रेस के भविष्य की असली राह है जिससे पूरे देश की राजनीति प्रभावित होगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ह्लसावधान रहनेह्व की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मयार्दा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई ह्लमहिला मुद्दाह्व नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है-आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। ह्ययत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताह्ल- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे ह्यभोग की वस्तुह्ल समझकर आदमी ह्यअपने तरीकेह्ल से ह्यइस्तेमालह्ल कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बडे-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडे.गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।

केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हजार्ना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुमार्ने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे-पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सरकार से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए।

नानी के घर से लौट रहे दो युवकों पर हमला, जान से मारने का आरोप

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम काला खेड़ा निवासी दो युवकों शोएब और सुहेल के साथ रास्ते में मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि हैबतपुर बंजारा के पास कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी रोककर हमला किया और जान से मारने की कोशिश की। पीड़ितों के अनुसार, शोएब और सुहेल अपनी नानी के घर से वापस लौट रहे थे। तभी रास्ते में हैबतपुर बंजारा के पास बादल पुत्र वाहिद, अरबाज पुत्र वाहिद, बिलाल पुत्र ललुआ और फुरकान पुत्र युसूफ ने उनकी गाड़ी रोक ली। आरोप है कि इन लोगों ने दोनों युवकों के साथ बुरी तरह मारपीट की। पीड़ितों का कहना है कि हमलावरों ने उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए और मोबाइल भी फोड़ दिया। इस घटना में जुबेर पुत्र पंजर, अकमल पुत्र बने, फुरकान पुत्र स्माइल, जुबेर पुत्र मौसम, लुकमान पुत्र इकबाल और अब्दुल हक के भी शामिल होने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित पक्ष ने लिखित तहरीर देकर पुलिस से मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मंडी धनौरा में भाजपा कार्यकताओं ने केबिनेट मंत्री का किया स्वागत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी का भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों ने धनौरा पहुंचने पर गर्मजोशी के साथ जोरदार स्वागत किया। उनके आगमन से मौके पर भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों की भीड़ जुटी रही।कैबिनेट मंत्री के होली पार्क पहुंचते ही कार्यकताओं में उत्साह देखा गया। इस दौरान 'भूपेंद्र चौधरी जिंदाबाद' और 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारे लगाए गए। कार्यकताओं ने मंत्री पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। बता दें कि इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि भूपेंद्र चौधरी का व्यक्तित्व और नेतृत्व भाजपा कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने बताया कि संगठन और जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा ने उन्हें प्रदेश की राजनीति में एक मजबूत पहचान दिलाई है। अग्रवाल ने कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश विकास और सुशासन की नई मिसाल कायम कर रहा है।कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही।चौधरी ने कार्यकताओं से जनता के बीच रहकर संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में होली पार्क पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे। पूरे स्वागत कार्यक्रम के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा।

जांच के दौरान झूठी निकली लूट की घटना,आर्थिक लेन देन का मामला

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार यूपी-112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना नौगावां सादात क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कुरी की ओर जाने वाले मार्ग पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक व्यक्ति से रुपये छीन लिये गये हैं। सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा घटना के संबंध में गहन जांच एवं पूछताछ की गई।जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि सूचनाकर्ता सतेंद्र सिंह पुत्र संतोष सिंह निवासी ग्राम बराल, थाना गुलावटी, जनपद बुलंदशहर है, जिसने अगस्त 2025 में सीआरपीएफ से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) ली थी। पूछताछ में सामने आया कि लगभग 6 माह पूर्व सूचनाकर्ता ने OLX के माध्यम से ग्राम सैदपुर इम्मा निवासी गुलाम रसूल उर्फ लड्डन पुत्र हबीब अहमद से एक कोल्हू एवं कांटा खरीदने का सौदा किया था। सौदे के तहत सूचनाकर्ता द्वारा 40,000 नगद तथा 1,00,000 ऑनलाइन अग्रिम राशि (बयाना) के रूप में दी गई थी तथा शेष धनराशि बाद में देने की बात तय हुई थी।बाद में सूचनाकर्ता द्वारा शेष धनराशि की व्यवस्था न हो पाने के कारण उसने अपने द्वारा दिए गए अग्रिम रुपये वापस मांगे, जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि इसी विवाद के चलते सूचनाकर्ता द्वारा पुलिस को लूट की झूठी सूचना देकर गुमराह करने का प्रयास किया गया।इस प्रकरण में दोनों पक्षों, सूचनाकर्ता सतेंद्र सिंह एवं गुलाम रसूल उर्फ लड्डन, को पुलिस अभिरक्षा में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

मौके पर कानून-व्यवस्था पूर्णतः सामान्य है तथा शांति बनी हुई है।अमरोहा पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की झूठी अथवा भ्रामक सूचना पुलिस को न दें। झूठी सूचना देकर पुलिस संसाधनों का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गजरौला पुलिस ने 4 वर्षीय गुमशुदा बच्ची को 7 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में गुमशुदा हुई बच्ची को 7 घंटे के भीतर से कुचल बरामद कर उसके परिजनों के सपोर्ट कर दिया है। इस कार्य भाई को पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन मुस्कान की तहत किया गया है। बता दें कि बीती 30 मई 2026 को वादी की पत्नी जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, अपनी 04 वर्षीय पुत्री को साथ लेकर घर से कहीं चली गई थीं। रात्रि में वादी की पत्नी घर वापस आ गईं, किन्तु बालिका उनके साथ नहीं थी। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बावजूद बालिका का कोई पता नहीं चल सका।इस संबंध में वादी द्वारा थाना गजरौला पर तहरीर दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना गजरौला पुलिस द्वारा तत्काल टीम गठित कर बालिका की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने कस्बा गजरौला एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक खोजबीन की तथा विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का गहनता से अवलोकन किया पुलिस के अथक प्रयासों एवं त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप सोमवार को गुमशुदा बच्ची लगभग को 07 घन्टे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया गया।बरामद बच्ची को उसके परिजनो के सौंप दिया गया। अपनी बेटी को सकुशल पाकर परिजनों ने अमरोहा पुलिस एवं थाना गजरौला पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस कार्यवाही की भूरि-भूरि प्रशंसा की।अमरोहा पुलिस जनपदवासियों की सुरक्षा एवं सहायता हेतु सदैव तत्पर है।

घर और ट्यूबवेल से चोरी किए गए सामान की चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, तीन गिरफ्तार

हजरतनगरगढ़ी/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए मुकदमों में वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 18 मई को ग्राम बारीपुर भमरौआ निवासी रोहित पाल पुत्र हरपाल सिंह पाल ने थाना हजरतनगरगढ़ी में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोरों ने उनके घर की दीवार काटकर अंदर रखी नकदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। वहीं रविवार को मोहल्ला गिन्नौरी निवासी हसन पुत्र छिद्दन ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके ट्यूबवेल पर लगे स्टार्टर और उसके अंदर लगी तांबे की कॉयल चोरी कर ली गई है। इस मामले में भी थाना हजरतनगरगढ़ी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। दोनों मामलों की जांच के दौरान थाना हजरतनगरगढ़ी पुलिस टीम ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर ग्राम मिलक सिरसी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते से तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राशिद पुत्र रफीक, शाकिर पुत्र अब्दुल सलाम उर्फ मखतुआ तथा मोहम्मद फहीम पुत्र नबीजन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा चोरी गए सामान की बरामदगी और घटनाओं में अन्य लोगों की संलिप्तता के संबंध में भी जांच की जा रही है। आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जनपद स्तर पर कुल 18 मेधावी विद्यार्थियों को 21 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, प्रशस्ति पत्र, फूलमाला और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का सीधा प्रसारण किया गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन विद्यार्थियों व अभिभावकों तक पहुंचाया गया।इन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गयाः इशिका, हिमानी, मीनाक्षी, वंश कुमार, जिया कौर, यशिका, माही, सोफिया, अंशिका, लवि, भूमि सागर, कल्पना सिन्हा, पायल त्यागी, रिया गिल, आयुषी, काक्षी, विवेक सैनी तथा हिमानी आर्य। राज्य स्तर पर

अमरोहा के छह विद्यार्थी लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाएंगे, जिन्हें एक-एक लाख रुपये नकद, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल दिए जाएंगे। वंशिका ने 96.50% तथा छवि चौहान ने 96.17% अंक प्राप्त कर टॉप किया। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा सफलता की शुरूआत मात्र है। उन्होंने मेहनत, अनुशासन, फोकस और निरंतर सीखने की सलाह दी। ओमप्रकाश गोला ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

सीडीओ की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर, फैमिली आईडी और जीरो पावर्टी की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ के निदेर्शों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। सीडीओ ने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाते हुए मेगा कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के कार्य में प्रगति लाने के साथ लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने गुरुवार को सभी न्याय पंचायतों और ग्राम पंचायतों में अधिकारियों की निगरानी में कैंप लगाने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों को निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं और शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें। उन्होंने विभागवार निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए खराब प्रगति वाले विभागों को सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। आमजन के बीच योजना का प्रचार करते हुए लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैंक संबंधी समस्याओं के समाधान के निर्देश एलडीएम को दिए। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, किसान सम्मान निधि, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई।

उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त संबंधित विभाग चल रहे कार्यों को पूर्ण कर सत्यापन कर सूची उपलब्ध कराएं। बैठक में डिप्टी कलेक्टर व पीओ नेडा मसीहा नजम, उप निदेशक कृषि डॉ0 राम प्रवेश सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सीडीओ ने जल जीवन मिशन के तहत की हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ के निदेर्शों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा हेतु जनपद में किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों को ब्लाकवार पुरानी परियोजनाओं का 03 दिन में सत्यापन कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सत्यापन में ओएसटी और परिसर की स्थिति, ऑपरेटर है या नहीं, पानी की सप्लाई किस समय और कितनी की जाती है, लीकेज की स्थिति, कितने घरों में पानी नहीं पहुंच रहा, परियोजना का पूरी क्षमता के साथ संचालन के लिए क्या सुझाव है आदि बिंदुओं पर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने जनपद में ओएसटी सहित पूर्ण नई परियोजनाओं के सत्यापन के भी निर्देश दिए। पाइपलाइन बिछाने के लिए तोड़ी गई समस्त सड़कों का 30 जून तक रेस्टोररेशन करने के निर्देश दिए। अश्वनी कुमार मिश्र ने आंगनवाड़ी केंद्रों, सामुदायिक शौचालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, सरकारी कार्यालयों सहित सार्वजनिक स्थानों पर कितने पानी का कनेक्शन दिए गए उसका सत्यापन कर ब्लॉकवार रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जो कार्य शेष हैं उनमें तेजी से प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। निर्देश दिए कि लीकेज एवं अन्य शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। बैठक में अधिशासी अभियन्ता जल निगम चंद्रहास, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी तथा संबंधित फर्म के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला नगर पालिका सभागार में बोर्ड की बैठक का आयोजन

राशन कार्ड बनवाने व बने हुए राशन कार्ड कट जाने का मुद्दा गमार्या,सभासदों ने उठाए सवाल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला नगर पालिका परिषद सभागार में सोमवार को बोर्ड की बैठक आयोजित की गई जिसमें पिछली बैठक में हुए विचारों की पुष्टि के साथ नगर में होने वाले आगामी विकास कार्यों के अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सभागार में कुछ सभासदों ने राशन कार्ड का मुद्दा उठाया जिसमें उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि राशन कार्ड बनाने वाले राशन कार्ड बनाने के नाम पर 2 से 3 हजार रुपए तक की धनराशि वसूल रहे हैं उन्होंने पालिका अध्यक्षा एवं वहां उपस्थित ईओ से इस संबंध में सवाल जवाब किए। बता दें कि सोमवार को आयोजित इस बोर्ड बैठक में राशन कार्ड का मुद्दा अधिक गमार्ता दिखाई दिया। इस दौरान वार्ड नंबर 22 के सभासद सौरभ वर्मा, वार्ड नंबर 1 के सभासद रोनकी एवं वार्ड नंबर 24 के सभासद सरताज ने राशन कार्ड बनवाने एवं राशन कार्ड कटने को लेकर पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी व पालिका के ईओ से विशेष रूप से चर्चा की। सभासद सरताज ने कहा कि हमारे वार्ड में लोगों के राशन कार्ड बनाने के नाम पर 2 से ड्ढ3000 की वसूली की जा रही है जिसके बाद भी पात्र राशन उपभोक्ता को राशन कार्ड बनवाने के लिए भटकना पड़ रहा है, वहीं सभासद सौरभ व रोनकी ने कहा कि हमारे वार्ड के लोगों के राशन कार्ड काटे जा रहे हैं जिस कारण वह है राशन लेने से वंचित हो रहे हैं इतना ही नहीं हमारे वार्ड में जो पात्र लोग हैं उनके राशन कार्ड काटे दिए गए हैं और जो नहीं है उनके राशन कार्ड अभी भी सुचारू हैं। इसके अलावा बैठक के दौरान पिछली बैठक में हुई विकास कार्य की चर्चा की पुष्टि के बारे में विचार विमर्श किए गए साथ ही नगर में होने वाले आगामी विकास कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सभागार में नगर पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी, पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह, नगर पालिका ईओ ललित कुमार आर्य, लेखाकार आदेश कुमार व नगर के समस्त सभासदगण एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे किसान यूनियन कार्यकर्ताओं को प्रशासन ने रोका, 8 सूत्रीय मांगपत्र चौकी प्रभारी को सौंपा

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के बैनर तले सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 8 सूत्रीय मांगपत्र सौंपने के लिए बिजनौर जा रहे संगठन के कार्यकर्ताओं को हिसामपुर चौकी क्षेत्र में प्रशासन द्वारा रोक लिया गया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही अपना ज्ञापन चौकी प्रभारी को सौंप दिया। जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता चमरौआ से शांतिपूर्ण ढंग से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए रवाना हुए थे। लेकिन हिसामपुर चौकी प्रभारी अरुण कुमार ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कार्यकर्ताओं को बिजनौर न जाने देने की बात कही और ज्ञापन वहीं सौंपने का सुझाव दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की क्षेत्राधिकारी असमोली प्रदीप कुमार और थाना प्रभारी नखासा उमेश सोलंकी से वार्ता हुई। अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्वक अपना 8 सूत्रीय मांगपत्र चौकी प्रभारी अरुण कुमार को सौंप दिया। ज्ञापन में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक न पहुंचने, खाद और बीज की कालाबाजारी पर रोक लगाने, अघोषित बिजली कटौती समाप्त करने, जल जीवन मिशन के कार्यों के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत कराने, जनपद में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, बहजोई रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण, गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर गांवों के नाम के साइन बोर्ड लगाने तथा गति अवरोधक बनवाने सहित कई प्रमुख मांगें शामिल थीं। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री को ज्ञापन देना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन प्रशासन द्वारा उन्हें रोककर इस अधिकार का हनन किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान और मजदूर की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। यदि सरकार ने जल्द ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो संगठन अपनी लड़ाई को और तेज करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में संगठन बड़ा आंदोलन शुरू करेगा। कार्यक्रम के दौरान युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, ब्लॉक महासचिव पवाशा श्रीपाल यादव, वरिष्ठ कार्यकर्ता अनवार अली, सतपाल सिंह, विनोद शर्मा, चन्द्रपाल सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई में निदेशक विनीत तिवारी को भावभीनी विदाई

नवागत निदेशक अनुपम गुप्ता का हुआ भव्य स्वागत, ग्रामीण युवाओं के सशक्तिकरण का संकल्प दोहराया

बहजोई/संभल (सब का सपना):- ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बहजोई में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी के कार्यकाल 30 मई 2026 को पूर्ण होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। वहीं नवागत निदेशक अनुपम गुप्ता का फूलमालाओं एवं उपहार भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। संस्थान के संकाय सदस्य संतोष कुमार ने बताया कि 16 दिसंबर 2023 से सिल्वर स्टोन स्कूल के पास स्थित रोटरी क्लब भवन, संभल रोड, बहजोई में संचालित आरसेटी संस्थान ग्रामीण युवाओं को कंप्यूटर, ब्यूटी पार्लर, सिलाई, एसी एवं फ्रिज रिपेयरिंग सहित विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। निदेशक विनीत तिवारी के नेतृत्व में पिछले दो वित्तीय वर्षों में लगभग 1800 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से अधिकांश आज स्वरोजगार एवं रोजगार के क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। समारोह में अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) संभल ललित विजय राय, केनरा बैंक बहजोई के प्रबंधक सावन कुमार एवं बैंक के अन्य अधिकारियों के साथ रोटरी क्लब बहजोई के संरक्षक राजीव लोचन, अध्यक्ष विद्युत कुमार आर्य, संस्थान के पूर्व प्रशिक्षु तथा विभिन्न क्षेत्रों के कौशल प्रशिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर एलडीएम ललित विजय राय ने विनीत तिवारी को शॉल ओढ़ाकर, फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संस्थान ने कम समय में उल्लेखनीय प्रगति की है और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं नवागत निदेशक अनुपम गुप्ता का भी सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने उनसे संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की अपेक्षा जताई। अपने संबोधन में विनीत तिवारी ने संस्थान की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा को साझा करते हुए कहा कि टीम के सहयोग, समर्पण और मेहनत से एक नए संस्थान को सफलता की राह पर अग्रसर किया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि आरसेटी संभल भविष्य में भी ग्रामीण युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के अपने मिशन को मजबूती से आगे बढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम में सुजीत सिंह, विशेष कुमार, रनवीर सिंह, विकास बाबू सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

पुलिस का नशे पर बड़ा प्रहार, दो करोड़ से अधिक कीमत के मादक पदार्थ किए नष्ट

ऑपरेशन दहन के तहत 1015 किलो डोडा, स्मैक और चरस का विनिष्टीकरण, तस्करों को कड़ा संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से संभल पुलिस ने सोमवार को ऑपरेशन दहन के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों का विनिष्टीकरण किया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद के थाना बहजोई, चन्दौसी, ऐंचौड़ा कम्बोह तथा जीआरपी चन्दौसी में पंजीकृत कुल 11 अभियोगों से संबंधित जब्त मादक पदार्थों को न्यायालय के आदेशानुसार नष्ट किया गया। पुलिस के अनुसार कुल 1015.35 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ, जिनमें डोडा, स्मैक और चरस शामिल हैं, का विनिष्टीकरण किया गया। इनकी अनुमानित बाजार कीमत 2 करोड़ 8 लाख 56 हजार 100 रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई बबराला स्थित चक्रण प्राइवेट लिमिटेड में संपन्न हुई, जहां पर्यावरण एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उच्च क्षमता वाले इंसीनरेटर के माध्यम से मादक पदार्थों को पूरी तरह नष्ट किया गया। विनिष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत और क्षेत्राधिकारी लाइन/संभल कुलदीप सिंह की मौजूदगी में गठित ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में कराई गई। कार्रवाई को पूरी तरह पारदर्शी बनाए रखने के लिए फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। इस दौरान प्रभारी नार्कोटिक निरीक्षक कश्मीर सिंह यादव, कांस्टेबल मृगनेन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल रवि सहरावत तथा संबंधित थानों के हेड मोहर्रिर भी उपस्थित रहे। संभल पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन दहन के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है कि जनपद में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नशा तस्करों और अपराधियों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की कठोर और प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

ततारपुर में 6.71 करोड़ की लागत से बने विद्युत उपकेंद्र का किया गया लोकार्पण

10 गांवों के 1800 से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ, बिजली आपूर्ति होगी और बेहतर

संभल (सब का सपना):- पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 योजना के अंतर्गत जनपद संभल के ग्राम ततारपुर में 671.84 लाख की लागत से निर्मित 33/11 केवी क्षमता वाले 25 एमवीए विद्युत उपकेंद्र का सोमवार को लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के प्रभारी मंत्री एवं होमगार्ड्स तथा नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति रहे, जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने फीता काटकर विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन किया तथा बटन दबाकर फीडर चालू कर उपकेंद्र का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह ने अतिथियों का पुष्प एवं स्मृति भेंट कर स्वागत किया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए थैले भी अतिथियों को भेंट किए गए। अधीक्षण अभियंता हिमांशु वार्ष्णेय ने बताया कि इस नए विद्युत उपकेंद्र से लगभग 10 गांव सीधे जुड़ेंगे और करीब 1800 उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि उपकेंद्र पर 5-5 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा ऐंचौड़ा कम्बोह विद्युत उपकेंद्र का लोड भी कम होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से विद्युत उपकेंद्र को अपनी संपत्ति मानकर उसकी देखभाल करने की अपील की। मुख्य अतिथि धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल जैसे क्षेत्रों में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नया विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात है, जिससे हजारों उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। उन्होंने शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और अधिक से अधिक लोगों तक उनका लाभ पहुंचाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री आवास योजना की लाभार्थी संतोष देवी एवं ममता देवी को आवास की चाबियां वितरित की गईं। कृषि विभाग की ओर से किसानों को मिनी बीज किट प्रदान की गईं तथा स्वयं सहायता समूह की उन विद्युत सखियों को सम्मानित किया गया, जो एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। इसके अलावा आईसीडीएस विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह, जिला विकास अधिकारी रामआशीष, कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, अधिशासी अभियंता रघुनाथ तित्तल, खंड विकास अधिकारी प्रेमपाल सिंह, एसडीओ चन्द्रभूषण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1645 विस्थापित परिवारों और 50 पूर्व सैनिकों को सौंपे भूमिधरी अधिकार पत्र

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आलमपुर गांवड़ी में आयोजित भव्य कार्यक्रम में विभाजन विभीषिका के पीड़ित परिवारों तथा पूर्व सैनिकों को भूमिधरी अधिकार पत्र प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभान्वित करते हुए प्रदेश सरकार की गरीब, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों और 50 पूर्व सैनिकों एवं लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि भूमिधरी अधिकार मिलने से लाभार्थियों को भूमि पर वैधानिक स्वामित्व प्राप्त होगा, जिससे उन्हें सम्मान, सुरक्षा और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और स्वयं सहायता समूहों से जुड़े लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, डेमो चेक और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। विभिन्न विभागों द्वारा चयनित 11 प्रेरणादायी लाभार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित विदुर प्रेरणा कैफे सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। लाभार्थियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर जीवन स्तर सुधारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। भूमिधरी अधिकार पत्र वितरण से पूर्व मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर चंदन चौहान, भूपेंद्र चौधरी, कपिल देव अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक सूचि चौधरी, अशोक राणा, ओम कुमार, सुशांत सिंह, जसजीत कौर, अभिषेक झा तथा रणविजय सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने भरे सड़क के गड्ढे, रेलवे फाटक पर खुलवाया जाम

जनहित में चलाए गए विशेष अभियान के तहत लोगों को किया गया यातायात नियमों के प्रति जागरूक

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं प्रभारी यातायात जग रोशन सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा जनहित में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, जिससे आम नागरिकों को राहत मिली। चंदौसी स्थित बदायूं चुंगी ट्रैफिक बूथ के सामने सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इन गड्ढों के चलते दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी और कई हादसे भी हो चुके थे। स्थिति का संज्ञान लेते हुए प्रभारी यातायात जग रोशन सिंह एवं उनकी टीम ने मानवता और जनसेवा का परिचय देते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली से पत्थर और मिट्टी मंगवाकर गड्ढों को भरवाया, जिससे आवागमन सुगम हो सका। अभियान के दौरान टीम में मुख्य आरक्षी सचिन कुमार, सनी तोमर, विकास कुमार एवं सोनू भी शामिल रहे, जिन्होंने सड़क को सुरक्षित बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा सिपाही लाल पेट्रोल पंप के समीप स्थित रेलवे फाटक पर ट्रेनों के लगातार आवागमन के कारण भारी जाम लग गया था। सूचना मिलते ही प्रभारी यातायात अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कड़ी धूप में यातायात को व्यवस्थित करते हुए जाम खुलवाया। पुलिस की तत्परता से लोगों को लंबे समय तक जाम में फंसने से राहत मिली।

इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। प्रभारी यातायात ने लोगों से बुलेट मोटरसाइकिलों में मॉडिफाइड साइलेंसर न लगाने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने, तीन सवारी न बैठाने तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की। मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने राहगीरों एवं वाहन स्वामियों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि जीवन अनमोल है, सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा है। प्रभारी यातायात जग रोशन सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा, दुर्घटना नियंत्रण और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए ऐसे जनहितकारी अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि आमजन को सुरक्षित और बेहतर यातायात सुविधाएं मिल सकें।

तीन दिवसीय निशुल्क योग शिविर का किया गया शुभारंभ

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर की टीचर कॉलोनी स्थित सत्यधाम धर्मशाला में योग समिति द्वारा तीन दिवसीय योग शिविर 1 जून से 3 जून धर्मशाला में पतंजलि योग समिति के तत्वाधान में निशुल्क योग शिविर आयोजित किया जा रहा है। सत्य धाम धर्मशाला योग समिति के प्रशिक्षक धर्मेश कुमार ने बताया कि इस शिविर मे पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी योगाचार्य गजराज सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जो सत्य धाम धर्मशाला योग समिति के संरक्षक भी हैं। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है अग्रिम होने वाले योग दिवस 21 जून से पहले योग के संबंध में क्षेत्र में जागृति उत्पन्न करना है। आज प्रातः शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह शिविर प्रातः 5:15 बजे से 6:45 बजे तक किया जा रहा है। आज प्रशिक्षण में मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिक समिति शाखा रानी बाग के अध्यक्ष जगदीश सिंह विनोद चंदना आदेश कुमार नीरज विदल अरिहंत जैन दिनेश जैन राम सिंह सैनी देवेंद्र सिंह सुनीता नंदा उमा देवी शिक्षा चौहान कुसुम गुप्ता ममता शर्मा प्रतिभा राय शशि चौहान अनीता चौहान आदि महिला पुरुषों ने भाग लिया।

तेज हवाओं ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें जनजीवन हुआ प्रभावित

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर समेत ग्रामीण अंचलों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया शाम ढलते ही तेज हवाओं का दौर शुरू हो गया, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं की गति इतनी अधिक थी कि नगर की सड़कों पर पैदल चलने वाले राहगीर और दोपहिया वाहन धूल भरी आंधियों के कारण चालकों को अपने वाहन नियंत्रित करने में भारी मशक्कत

करनी पड़ी और दृश्यता विजिबिलिटी कम होने से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अचानक चली तेज हवाओं और धूल के गुबार से बचाव के लिए

लोग आनन-फानन में अपने घरों के अन्दर दुबक गए। इस दौरान बाजारों में भी सन्नाटा पसर गया और लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने की जल्दबाजी में नजर आए। फिलहाल तेज हवाओं के चलते किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है लेकिन अचानक बदले मौसम ने जनजीवन को खासा प्रभावित किया।

पहासू को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग

पहासू/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के सार्वजनिक मार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर अधिवक्ता एडवोकेट पुनीत शर्मा ने प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सड़कें और मार्ग आम जनता की सुविधा के लिए होते हैं, जिन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करता है। पहासू निवासी एडवोकेट पुनीत शर्मा ने बताया कि

विशेष रूप से डाकखाने वाली गली सहित नगर के विभिन्न सार्वजनिक मार्गों पर हो रहे अतिक्रमण के संबंध में संबंधित विभाग को शिकायत भेजी गई है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण राहगीरों, व्यापारियों एवं वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नगर में चिन्हित स्थानों पर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक पहासू का निर्माण सभी की जिम्मेदारी है तथा नगर की अन्य जनसमस्याओं के समाधान के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

भाजपा नेता ने आग लगने से पीड़ित परिवारों को दी आर्थिक सहायता

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना रामघाट क्षेत्र के ग्राम सभा ऊंचागांव खादर स्थित सरदार नगर में हाल ही में आग लगने की घटना में तीन झोपड़ियां जलकर राख हो गई थीं। हादसे में परिवारों का घरेलू सामान, कपड़े, खाद्य सामग्री और मोटरसाइकिल समेत हजारों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा नेता

सत्यवीर सिंह यादव पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने पीड़ित गुरनाम सिंह, राजू और सुल्तान सिंह को पांच-पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की तथा प्रशासन से भी उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। भाजपा नेता की इस पहल पर पीड़ित परिवारों ने उनका आभार व्यक्त किया।

सफाई मित्र को सेवा निवृत्त होने पर किया गया विदाई समारोह का आयोजन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद शिकारपुर के नियमित सफाई मित्र शिवकुमार को सेवानिवृत्त होने पर पालिका कार्यालय में सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में शिवकुमार को स्मृति चिन्ह के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का चित्र भेंट किया गया तथा मिष्ठान देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। साथ ही उनके भविष्य निधि (पीएफ) खाते में संचित धनराशि का ब्याज सहित भुगतान पत्र भी सौंपा गया। पालिका परिवार ने उनकी वर्षों की निष्ठापूर्ण एवं समर्पित सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

चारधाम यात्रा: बदरी-केदारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब, 17.51 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

देहरादून। चारधाम यात्रा के दौरान श्री बदरीनाथ और श्री केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि 30 मई तक दोनों धामों में कुल 17.51 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इनमें 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री केदारनाथ धाम तथा 7.51 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री बदरीनाथ धाम में दर्शन किए हैं। हेमंत द्विवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के मार्गदर्शन में चारधाम यात्रा सुचारू रूप से संचालित हो रही है। शासन, प्रशासन और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे यात्रा सरल और सुविधाजनक बनी हुई है।मौसम अनुकूल होते ही यात्रा सामान्य रूप से चलती है हेमंत ने बताया कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन द्वारा केदारनाथ यात्रा को कुछ पड़ावों पर अस्थायी रूप से रोका जा रहा है, लेकिन यात्रा पर स्थायी रोक नहीं है। मौसम अनुकूल होते ही यात्रा को पुनः सामान्य रूप से संचालित किया जा रहा है।मौसम अनुकूल होते ही यात्रा

सामान्य रूप से चलती है हेमंत ने बताया कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन द्वारा केदारनाथ यात्रा को कुछ पड़ावों पर अस्थायी रूप से रोका जा रहा है, लेकिन यात्रा पर स्थायी रोक नहीं है। मौसम अनुकूल होते ही यात्रा को पुनः सामान्य रूप से संचालित किया जा रहा है। कुल 17,51,780 श्रद्धालु दोनों धामों में दर्शन कर चुके हैं

बीकेटीसी अध्यक्ष ने हाल ही में 29 और 30 मई को केदारनाथ धाम की यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि अब तक कुल 17,51,780 श्रद्धालु दोनों धामों में दर्शन कर चुके हैं। इनमें 10,00,497 श्रद्धालुओं ने श्री केदारनाथ धाम और 7,51,283 श्रद्धालुओं ने श्री बदरीनाथ धाम में पूजा-अर्चना की है। उन्होंने इसे इस वर्ष की यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मौसम विभाग और प्रशासन के निर्देश का करें पालन

द्विवेदी ने कहा कि बेहतर प्रबंधन, प्रभावी समन्वय और सुरक्षा व्यवस्थाओं के कारण यात्रा लगातार सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मौसम विभाग और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा खराब मौसम की स्थिति में निर्धारित पड़ावों पर रुककर ही आगे की यात्रा करें।

हत्या के मामले में 25 हजार के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा पुलिस ने हत्या के एक चर्चित मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पर अपने ही साथी की धारदार हथियार से हत्या करने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, फरवरी माह में कस्बा स्योहारा के मोहल्ला मुस्लिम चौधरियान निवासी शाह आलम ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर बताया था कि ग्राम विरामपुर निवासी मोहम्मद अजीम ने उसके भाई सलमान पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने

मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस को इस हत्याकांड में नदीम नामक एक अन्य आरोपी की संलिप्तता भी मिली थी। पुलिस ने नदीम को अप्रैल माह में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि मुख्य आरोपी मोहम्मद अजीम लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तारी न होने पर उसके खिलाफ 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी मोहम्मद अजीम ने बताया कि मृतक सलमान उसके साथ ट्रक पर कार्य करता था। घटना वाले दिन दोनों के बीच गन्ना डालने के लिए मिलने वाले टोकन को लेकर विवाद हो गया था। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और गुस्से में आकर उसने सलमान पर चाकू से कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल सलमान की बाद में मौत हो गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था और लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। आखिरकार स्योहारा पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई पूरी की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक अरुण कुमार, कांस्टेबल अमित भाटी और कांस्टेबल पंकज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गैंगस्टर अतीक अहमद की 168 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क, प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में संगठित अपराध और गोमांस तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला प्रशासन ने गैंगस्टर अतीक अहमद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी करोड़ों रुपये मूल्य की संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश जारी किए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार गैंगस्टर अतीक अहमद पुत्र मोहम्मद उमर द्वारा आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से अर्जित की गई लगभग 168 करोड़ 13 लाख 32 हजार 600 रुपये मूल्य की चल एवं अचल संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कुर्क किया गया

है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी एवं उसके गिरोह ने अवैध गतिविधियों से अर्जित धनराशि का उपयोग कर बिजनौर में सहसपुर के ग्राम याकूबपुर क्षेत्र में भूमि क्रय की थी तथा वहां ओमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस का निर्माण कराया गया था। प्रशासन ने उक्त संपत्तियों को अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई है। अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों की अवैध कमाई और उससे अर्जित संपत्तियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यह अब तक की महत्वपूर्ण कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराध से अर्जित संपत्तियों को किसी भी स्थिति में संरक्षण नहीं दिया जाएगा तथा संगठित अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को अपराधियों के विरुद्ध एक कड़ा संदेश माना जा रहा है, जिससे अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान, विधायक ने बढ़ाया उत्साह

बुलन्दशहर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक ठाकुर लक्ष्मीराज सिंह ने मेधावियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की

सफलता उनके परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने छात्रों से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर सदर विधायक प्रदीप चौधरी तथा नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू अराजनीतिक का तहसील पर प्रदर्शन, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में तहसील शिकारपुर में किसानों की समस्याओं को लेकर बैठक एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में किसानों ने यूरिया की उपलब्धता, 18 घंटे बिजली आपूर्ति, जर्जर विद्युत लाइनों के सुधार, आवारा पशुओं की समस्या, सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता,

दाखिल-खारिज में हो रही कथित अवैध वसूली, सड़क निर्माण तथा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा एवं सर्किल रेट का लाभ देने सहित विभिन्न मांगें उठाईं। उप जिलाधिकारी शिकारपुर ने किसानों को आश्वासन दिया कि दो दिन के भीतर खाद समितियों पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी तथा अन्य मांगों पर भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने कहा कि यदि मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई तो शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी। वहीं चौधरी कुलदीप गुड्डू ने चेतावनी दी कि चार दिन के भीतर समस्याओं का समाधान न होने पर किसान पुनः आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

चिकित्सा शिविर में बी पी, शुगर एवं हीमोग्लोबिन की गई निशुल्क जांच

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर श्री राम सर्वोदय हॉस्पिटल पीपलसाना में एक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अनुभवी डॉक्टर की टीम द्वारा 57 रोगियों निशुल्क का सकुशल इलाज किया गया। इस शिविर में बी पी की जांच, शुगर की जांच एवं हीमोग्लोबिन की निशुल्क जांच की गई एवं दवाई भी निशुल्क

वितरित की गई। इस शिविर मे आयुष्मान कार्ड के बारे में समझाया गया एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। इस शिविर में डॉक्टरों की टीम एवं हॉस्पिटल स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस शिविर में श्री राम सर्वोदय हॉस्पिटल पीपलसाना धामपुर के अध्यक्ष डॉक्टर एनपी सिंह शामिल रहे।

युवक ने गोली मारकर की आत्महत्या

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के गांव मुरादाबाद में 22 वर्षीय युवक ने कथित रूप से तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गजेंद्र पुत्र रविंद्र सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार गजेंद्र शनिवार शाम घर से निकला था। देर रात उसका शव गांव के बाहर खून

से लथपथ हालत में मिला। शव के पास से एक तमंचा भी बरामद हुआ।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली सरकार ने किसानों को दी बड़ी राहत, फसल क्षति मुआवजे में बंपर बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अन्नदाताओं के हित में एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए फसल क्षति के मुआवजे में रिकॉर्ड बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। साल 2015 से लागू ₹20,000 प्रति एकड़ की पुरानी और अपर्याप्त दर को पूरी तरह बदलते हुए सरकार ने अब किसानों को ₹75,000 प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा देने का फैसला लिया है। यह निर्णय विशेष रूप से उन किसानों को बड़ी राहत देगा, जिनकी फसलें अगस्त और सितंबर 2025 में हुई अत्यधिक और असमय वर्षा के कारण पूरी तरह बर्बाद हो गई थीं। दिल्ली सरकार ने कहा कि वह हर संकट में किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। इस फैसले की जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स हैंडल पर दी। 10,000 किसान परिवारों के बैंक खातों में जाएगी राशि दिल्ली सरकार के इस फैसले से राजधानी के ग्रामीण अंचलों में खेती करने वाले

10,000 से अधिक किसान परिवार सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। अत्यधिक बारिश के कारण हुए नुकसान का आंकलन पूरा होने के बाद सरकार ने कुल ₹33.32 करोड़ का भारी-भरकम राहत पैकेज जारी किया है। यह सहायता राशि सीधे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी, ताकि बीच में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार की गुंजाइश न रहे। दस साल पुरानी नीति में बदलाव दिल्ली में फसल मुआवजे की दरें पिछले एक दशक (2015) से बदली नहीं गई थीं जो वर्तमान लागत के हिसाब से काफी कम थीं। दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, 'बीते साल (2025) मानसून के आखिरी महीनों में हुई अत्यधिक वर्षा ने किसानों की कमर तोड़ दी थी। मुख्यमंत्री और कैबिनेट की विशेष पहल पर इस आर्थिक सहायता को बढ़ाने का फैसला लिया गया, ताकि किसान अगले सीजन की बुवाई के लिए बिना किसी कर्ज के दोबारा खड़े हो सकें।'

अभिनेता वरुण धवन ने खटखटाया दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा, डीपफेक वीडियो हटाने का आदेश

नई दिल्ली। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली अभिनेता वरुण धवन की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश पारित किया है। अदालत ने वरुण धवन से जुड़े डीपफेक वीडियो हटाने का आदेश दिया है। इन डीपफेक में वरुण धवन को उनकी महिला को-स्टार्स के साथ गलत स्थितियों में दिखाया गया था। सामग्री को हटाने का आदेश इसके साथ ही अदालत ने वरुण धवन की अनुमति के बगैर उनके नाम पर सामान बेचने वाली सामग्री को भी ई-कामर्स वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री को हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया वरुण धवन के पक्ष में मामला बनता है और अगर उनके पक्ष में आदेश नहीं दिया गया तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी।

बीसीडी चुनावों में गड़बड़ियों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई पूरी, दिल्ली हाई कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली (बीसीडी) के चुनावों में गड़बड़ियों के आरोपों से जुड़ी विभिन्न याचिकाओं पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई पूरी कर ली। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि मामले पर निर्णय सुनाया जाएगा। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक अधिवक्ताओं ने अपने तर्कों को पेश किया। अदालत ने वोटों की गिनती की प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की भी जांच की। 18 मई को सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के बाद इन मामलों को हाई कोर्ट की एक विशेष बेंच को सौंपा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़ी याचिकाओं को दिल्ली हाई कोर्ट की एक विशेष बेंच को स्थानांतरित कर दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि छेड़छाड़ किए गए बैलेट पेपर भी गिने जा रहे हैं। तो सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाई कोर्ट का निर्णय आने तक बैलेट पेपर की गिनती पर रोक लगा दी थी।

दिल्ली के न्यू अशोक नगर में झपटमारी करने वाला बदमाश गिरफ्तार, चोरी की बाइक से करता था वारदातें

पूर्वी दिल्ली। न्यू अशोक नगर इलाके में चोरी के वाहन से झपटमारी करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान कोंडली निवासी रोहित उर्फ लाला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की है। आरोपित की गिरफ्तारी से स्नैचिंग और वाहन चोरी के कुल चार मामलों को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि न्यू अशोक नगर थाने में एक महिला ने झपटमारी की ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला ने बताया था कि वह न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन से घर लौट रही थी, तभी पीछे से मोटरसाइकिल पर आए एक बदमाश ने उसका मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गया। 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना न्यू अशोक नगर की टीम ने जांच शुरू की। एसएचओ के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने घटना स्थल और आसपास के इलाकों में लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि जिस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल स्नैचिंग में किया गया था, वह चोरी की थी। यह बाइक कल्याणपुरी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी और उसके संबंध में पहले से ई-एफआईआर दर्ज थी। पुलिस ने फुटेज से आरोपित की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया।

भारत में तबाही मचाने के लिए आतंकियों ने मुन्ना झिंगाड़ा से मांगे 20 लाख रुपये, पाकिस्तान का कनेक्शन आया सामने

नई दिल्ली। भारत में तबाही मचाने के लिए स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए 8 आतंकियों ने पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में रह रहे मुन्ना झिंगाड़ा से फिलहाल पहली किश्त के तौर पर 20 लाख रुपये और हेरोइन की बड़ी खेप भिजवाने की मांग रखी थी। आईबी की सूचना पर स्पेशल सेल ने कई राज्यों के आतंकवाद यूनिटों के सहयोग से करीब तीन सप्ताह तक चार राज्यों में ऑपरेशन चला आईएसआई, पाकिस्तानी गैंगस्टर और आईएसआई एजेंट शहजाद भट्टी और मुंबई अंडरवर्ल्ड दाऊद इब्राहिम वाले नेटवर्क मॉड्यूल के आठ आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जिससे तमाम एजेंसियां दो दिनों से पूछताछ में जुटी हुई हैं। नेटवर्क को खंगालने में जुटी पूछताछ में कई चौंकाने वाली जानकारी मिल रही हैं, जिससे शहजाद की तरह देश की सभी एजेंसियां अब मुन्ना और नेपाल से पकड़े गए लामा के नेटवर्क को खंगालने में जुट गई हैं। भारत में तैयार कर रहा था अंडरवर्ल्ड की नई जिहादी ब्रिगेड कराची के व्हाइट हाउस से महज चार किलोमीटर दूर एक पांच तारा होटल के नजदीक मुन्ना ने आईएसआई के संरक्षण में अपना सेफ हाउस बनाया है। वहां से वह वीडियो कॉल करके नियमित तौर पर अपने आतंकियों से बात करके भारत में अंडरवर्ल्ड की नई जिहादी ब्रिगेड तैयार कर रहा था।

दिल्ली में नकली आरओ फिल्टर फैक्ट्री का भंडाफोड़, मालिक मोहम्मद तबरेज गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली आरओ फिल्टर बनाने और बेचने वाले एक फैक्ट्री पर छापा मार मालिक मोहम्मद तबरेज को गिरफ्तार कर लिया है। यह फैक्ट्री पुल प्रह्लादपुर में अवैध तरीके से चल रही थी। पुलिस ने फैक्ट्री से भारी मात्रा में नामी कंपनियों जैसे केंट, एक्वागार्ड और हैवेल्स के नाम पर बनाए गए करीब 3000 नकली फिल्टर, मेम्ब्रेन और पैकेजिंग मटेरियल बरामद किए हैं। डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक मोहम्मद तबरेज, शाहीन बाग का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच काफी समय से दिल्ली-एनसीआर में नकली आरओ फिल्टर बनाने और सप्लाई करने वाले लोगों के बारे में जानकारी मिल रही थी। इसी क्रम में 27 मई को पुलिस को सूचना मिली

कि पुल प्रह्लादपुरके एचआर ब्लाक की गली नंबर चार स्थित एक फैक्ट्री/गोदाम से बड़े पैमाने पर नकली आरओ फिल्टर का अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही एसीपी संजय कुमार नागपाल और इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी की टीम ने पुल प्रह्लादपुर स्थित गोदाम पर छापेमारी कर नकली आरओ फिल्टर व डिब्बे (पैकेजिंग मटेरियल) बरामद हुए। मौके पर बुलाए गए केंट आरओ, हैवेल्स इंडिया और एक्वा गार्ड कंपनियों के आधिकारिक प्रतिनिधियों ने जांच के बाद पुष्टि की कि बरामद किए गए सभी प्रोडक्ट्स पूरी तरह से नकली और फर्जी हैं। जिसके बाद मोहम्मद तबरेज को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि मोहम्मद तबरेज मूलरूप से बिहार के नालंदा का रहने वाला है और वह 2011 में दिल्ली आया था। शुरू में वह बैटरी सर्विसिंग का काम करता था। बाद में उसने वाटर प्यूरीफायर की सर्विसिंग का काम सीख लिया। करीब नौ महीने पहले उसने पुल प्रह्लादपुर में यह किराए की जगह ली और वहां नकली आरओ फिल्टर बनाने की फैक्ट्री डाल ली। पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि मोहम्मद तबरेज इस सिंडिकेट में अकेले था या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वह इन नकली और सेहत के लिए खतरनाक फिल्टरों को दिल्ली-एनसीआर के किन-किन दुकानदारों या सप्लायर्स को बेचता था।

दिल्ली की सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे, पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर

नई दिल्ली। विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए जिस हरियाली पर जोर दिया जा रहा है, इस शहर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे है। रखरखाव की जाने वाली दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर की गई हरियाली को बचाने के लिए पानी देने के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। ऐसे में कई जगह हरियाली और झाड़ियां सूख चुकी है, इन्हें तैयार करने पर विभाग की मेहनत और पैसे पर पानी फिर रहा है। उधर विभाग का है दावा हरियाली बचाने के लिए नियमित पानी दिया जा रहा है , मगर तापमान अधिक होने के कारण इसे नुकसान हो रहा है। पीडब्ल्यूडी के पास हैं 1440 किलोमीटर लंबी सड़के पीडब्ल्यूडी की बात करें तो इस विभाग के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़के हैं जो दिल्ली की प्रमुख सड़के हैं, इन सब सड़कों की चौड़ाई 60 फीट से अधिक है इनमें कई ऐसी सड़के हैं जिनको दिल्ली के आवागमन की रीड़ माना जाता है, इनमें रिंग रोड और बाहरी रिंग रोड, बारापुला एलिवेटेट कॉरिडोर जैसे प्रमुख मार्ग भी शामिल हैं। पर्यावरण की दृष्टि से शहर को बेहतर बनाने और सड़कों को सुंदर दिखने के लिए विभाग द्वारा हर साल बड़े स्तर पर इन सड़कों पर पौधारोपण किया जाता है। जिनमें नए पौधे और पेड़ के साथ-साथ झाड़ियां भी लगाई जाती हैं। मगर हर साल इनमें से काफी एरिया खाली हो जाता है और पौधे गायब हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि तापमान बढ़ने पर पौधे सूख जाते हैं। यह समय अप्रैल से जून 3 महीने तक रहता है। विभाग की लापरवाही हर साल दिखती है। विभाग के पास नहीं है संसाधनों की कमी विभाग में पूर्व में रहे एक वरिष्ठ अधिकारी की मानें तो विभाग के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है, मगर अधिकारियों की लापरवाही के चलते हरियाली पर पर पानी फिर जाता है। इस हरियाली को बचाने और संभालने और स्थापित करने की बात करें तो विभाग द्वारा दिल्ली भर को तीन जोन में बांटा गया है, तीनों जोन के लिए अलग-अलग प्राइवेट एजेंसी लगाई गई हैं। जिनका काम हरियाली की देखरेख करना है, ताकि हरियाली को बचाए रखा जा सके।

दिसंबर तक शुरू होंगे मेट्रो के 3 नए कॉरिडोर, क्या आपके घर के पास भी बन रहा है स्टेशन?

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर के अन्य शहरों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए मेट्रो विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है। इस वर्ष के अंत तक मेट्रो के तीन और कॉरिडोर शुरू होने की उम्मीद है। इसमें मजेंटा लाइन का जनकपुरी पश्चिम- आरके आश्रम मार्ग विस्तार के दो हिस्से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन से दीपाली चौक और मजलिस पार्क से आरके आश्रम मार्ग के साथ ही गोल्डन लाइन के एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर शामिल है। इनके शुरू होने से मेट्रो के नेटवर्क में लगभग 36 किलोमीटर की वृद्धि होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7 मार्च, 2019 को मेट्रो के चौथे चरण अंतर्गत मजलिस पार्क-मौजपुर (पिंक लाइन), जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग (मजेंटा) और

एरोसिटी-तुगलकाबाद (गोल्डन) लाइन को स्वीकृति दी थी। उसके बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 13 मार्च, 2024 को इसी चरण के अंतर्ग चौथे चरण के अंतर्गत दो और नए कॉरिडोर लाजपत नगर-साकेत जी-ब्लाक (गोल्डन लाइन) और इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ (पहले ग्रीन लाइन अब इसे मजेंटा लाइन में शामिल किया गया है) को स्वीकृति प्रदान की थी। केंद्र से स्वीकृति मिलने के बाद पूर्व की दिल्ली सरकार द्वारा मेट्रो के चौथे चरण के काम को स्वीकृति देने में विलंब व कोरोना महामारी के कारण समय पर काम शुरू नहीं हो सका था। अब इसके निर्माण कार्य में तेजी आई है। पिछले वर्ष जनवरी में जनकपुरी पश्चिम- कृष्ण पार्क एक्सटेंशन पर परिचालन शुरू किया गया था। वहीं, इस वर्ष आठ मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिंक लाइन के मजलिस पार्क-मौजपुर बाबरपुर कारिडोर के साथ ही मजेंटा लाइन के दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक के हिस्से का उद्घाटन किया था। मजेंटा लाइन के कृष्णा पार्क से दीपाली चौक और मजलिस पार्क से आरके आश्रम मार्ग तक के हिस्से का निर्माण कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे पूर्वी और पश्चिम दिल्ली का अन्य हिस्से से मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वहीं, गोल्डन लाइन के एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर के भी इस वर्ष शुरू होने की बात कही जा रही है। इससे फरीदाबाद और दक्षिणी दिल्ली की तरफ से एयरपोर्ट आने-जाने वालों को सुविधा होगी।

रेल यात्रियों के लिए गुड न्यूज, दिल्ली से जम्मू-कश्मीर का सफर होगा आसान; 1 साल से रद ट्रेनें फिर चालू

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर जाने वाले यात्रियों की परेशानी अब दूर होगी। पिछले वर्ष भारी वर्षा और बाढ़ के कारण रावी नदी का पानी बहुत बढ़ गया था। तेज बहाव की वजह से कठुआ और माधोपुर के बीच पुल का एक पिलर क्षतिग्रस्त हो गया था। इस कारण सुरक्षा के कारणों से ट्रेनों के परिचालन को रोक दिया गया था। कई ट्रेनें पिछले एक साल से निरस्त थीं। इससे जम्मू कश्मीर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब क्षतिग्रस्त पुल को ठीक कर दिया गया है। निरस्त ट्रेनें चलाने की घोषणा कर दी गई है। स्पेशल ट्रेनों के संचालन में होगी आसानी 30 मई को उत्तर रेलवे के रेलवे संरक्षा आयुक्त दिनेश चंद देशवाल ने पुल का निरीक्षण और गति परीक्षण करने के बाद ट्रेन संचालन को मंजूरी दे दी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह पुल पठानकोट-जम्मू-श्रीनगर रेल मार्ग का अहम हिस्सा है। इसके खुलने से जम्मू-कश्मीर आने-जाने वाले यात्रियों और मालगाड़ियों को सीधा लाभ होगा। कटड़ा और जम्मू जाने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी। इस पुल की बहाली से ट्रेनों का संचालन समय पर होगा, साथ ही अमरनाथ यात्रा व ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विशेष ट्रेनों के संचालन में आसानी होगी।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला: दिल्ली कोर्ट ने तीन आरोपियों को 15 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों को सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने आरोपियों को 15 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद आरोपियों को कोर्ट के सामने पेश किया गया था। सुप्रीम कोर्ट का री-एग्जाम सीबीटी मोड में कराने से इनकार सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी 2026 के री-

टेस्ट को कंप्यूटर-आधारित टेस्ट (सीबीटी) फॉर्मेट में कराने की मांग खारिज कर दी है। सोमवार को जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने एनटीए को यह निर्देश देने से इनकार कर दिया कि 21 जून को होने वाला री-एग्जाम पेन-एंड-पेपर की जगह सीबीटी मोड में कराया जाए।

बेंच ने मामले की सुनवाई जुलाई तक टाल दी, जिससे याचिकाकताओं को फिलहाल राहत नहीं मिल सकी। कोर्ट के इस रुख से साफ है कि नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम मौजूदा पेन-एंड-पेपर फॉर्मेट में ही होगा।

50 लाख का बीमा और बहन का कत्ल, 9 साल से राजमिस्त्री बनकर छिपा था कातिल, ऐसे हुआ पदार्फाश

नई दिल्ली। उत्तरी जिला के बुराड़ी थाना अंतर्गत अजीत विहार में 50 लाख के बीमे और लाखों की प्रापर्टी के लिए एक महिला की गला रेतकर हत्या करने में शामिल चंदन कुमार नाम के शख्स को क्राइम ब्रांच ने बिहार के लखीसराय से गिरफ्तार कर लिया है। वह वारदात के बाद पिछले नौ साल से फरार चल रहा था। बीमे की रकम और प्रापर्टी हड़पने के लिए कमल कुमार नाम के शख्स ने अपनी सगी बहन की अपने दो सगे साले चंदन कुमार व कुंदन कुमार के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। कमल कुमार को बुराड़ी थाना पुलिस ने अगस्त 2017 में घटना के कुछ दिन बाद ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके दोनों साले फरार थे, जिन्हें कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया था। उनमें चंदन को अब जाकर गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि कुंदन कुमार की 2018 में ही ट्रेन से कटकर मौत हो चुकी है। डीसीपी, क्राइम ब्रांच, संजीव कुमार यादव के मुताबिक एसीपी संजय कुमार नागपाल और इंस्पेक्टर राबिन त्यागी की टीम को सूचना मिली थी कि बुराड़ी की एक जघन्य हत्या में शामिल चंदन कुमार, बिहार में छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने 29 मई बिहार पहुंचकर उसे लखीसराय से गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि उसके दूसरे भाई कुंदन की

2018 में ही अपने पैतृक गांव के रेलवे स्टेशन के पास मौत हो गई थी, उसके मृत्यु प्रमाणपत्र को पुलिस ने कानूनी कार्रवाई के लिए कब्जे में ले लिया है। यह वारदात 22 अगस्त 2017 की सुबह अजीत विहार में हुई थी। पुलिस को सुबह करीब 5.25 बजे पीसीआर काल मिली कि एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। मौके पर मृतका अनीता देवी का शव खून से लथपथ मिला था। पुलिस को मृतका के सगे भाई कमल कुमार (आजादपुर मंडी के पास क्लीनिक चलाता था) ने काल किय था। कमल ने पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोप लगाया था कि उसकी बहन की हत्या जीजा गिरधारी लाल ने वैवाहिक विवाद के चलते की है। गहराई से जांच करने पर पता चला कि कमल ने हत्या की साजिश अपने दो साले (चंदन और कुंदन) के साथ मिलकर रची थी। अनीता देवी ने आइसीआइसीआइ बैंक से 50 लाख की लाइफ इंश्योरेंस पालिसी ले रखी थी, जिसमें उसने अपने भाई कमल कुमार को नामिनी बनाया था। अनीता ने अपने अजीत विहार वाले मकान की वसीयत भी कमल के बेटे के नाम कर रखी थी। कमल कुमार भारी कर्ज में डूबा हुआ था। जिससे कर्ज चुकाने के लिए उसने अपनी बहन को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। वारदात से कुछ दिन पहले अनीता का उसके पति से झगड़ा हुआ था। इसी का फायदा उठाकर कमल ने आजादपुर मंडी से एक चाकू खरीदा। इसके बाद कमल, चंदन और कुंदन ने मिलकर अनीता का गला रेत दिया था और सारा इल्जाम उसके पति पर मढ़ने की कोशिश की थी।

चंदन ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वह नौ सालों से बिहार के अलग-अलग जिलों में ठिकाने बदल-बदल कर रह रहा था। गिरफ्तार से बचने के लिए वहां राजमिस्त्री का काम करने लगा था।

बच्चों की ग्रोथ जानने के लिए कराएं ये 5 जरूरी टेस्ट, हर पेरेंट्स को होनी चाहिए इसकी जानकारी

हर माता-पिता की यह चाहत होती है कि उनका बच्चा सेहतमंद, तंदुरुस्त और अपनी उम्र के हिसाब से अच्छे से विकास करे। बच्चे का कद, वजन, मानसिक विकास और शारीरिक क्षमता सही दिशा में बढ़ रही है या नहीं, यह जानना बहुत ज़रूरी होता है। केवल बाहरी लक्षणों को देखकर अंदाजा लगाना हमेशा सही नहीं होता। कई बार बच्चों की ग्रोथ धीमी हो रही होती है लेकिन मां-बाप को इसका पता देर से चलता है। ऐसे में समय-समय पर कुछ ज़रूरी मेडिकल टेस्ट करवा लेना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि बच्चों की सही ग्रोथ जानने और किसी परेशानी की पहचान करने के लिए कुछ बेसिक हेल्थ टेस्ट ज़रूर करवाए जाने चाहिए। ये टेस्ट पोषण, ग्रोथ हार्मोन और शरीर के बाकी ज़रूरी फंक्शन को समझने में मदद करते हैं।

ग्रोथ हार्मोन लेवल टेस्ट

यह टेस्ट यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि बच्चे के शरीर में ग्रोथ हार्मोन सही मात्रा में नहीं। अगर ग्रोथ हार्मोन की कमी हो जाए, तो बच्चे की हाइट रुक सकती है और ओवरऑल ग्रोथ भी धीमी हो सकती है। इस टेस्ट से यह भी जाना जा सकता है कि बच्चा अक्सर थका-थका क्यों रहता है, मांसपेशियां कमजोर क्यों हैं और कद क्यों नहीं बढ़ रहा। अगर कोई दिक्कत मिले, तो सही समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है।

बन रहा है या।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट

थायरॉइड हार्मोन शरीर के विकास और दिमाग की ग्रोथ में बहुत अहम रोल निभाता है। अगर थायरॉइड में गड़बड़ी हो जाए, तो बच्चे की ग्रोथ रुक सकती है, वजन अचानक बढ़ या घट सकता है और बच्चा सुस्त पड़ सकता है। इस टेस्ट से यह भी पता लगाया जा सकता है कि बच्चा पढ़ाई में ध्यान क्यों नहीं दे पा रहा या हर समय थका-थका क्यों लगता है।

विटामिन डी और कैल्शियम लेवल टेस्ट

बच्चों की हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी और कैल्शियम बहुत जरूरी हैं। अगर इनकी कमी हो जाए, तो बच्चे की हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, चलने में देरी हो सकती है और बार-बार मांसपेशियों में खिंचाव या दर्द की शिकायत हो सकती है। इस टेस्ट से हड्डियों की हेल्थ का अंदाज़ा लगता है और जरूरत पड़ने पर सप्लीमेंट या डाइट में बदलाव किया जा सकता है।

हीमोग्लोबिन और आयरन लेवल टेस्ट

हीमोग्लोबिन और आयरन की कमी बच्चों में थकान, चिड़चिड़ापन और विकास में रुकावट का कारण बन सकती है। अगर बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है, खाना नहीं खाता या ध्यान नहीं लगाता, तो यह टेस्ट जरूर करवाएं। यह टेस्ट पोषण स्तर और एनीमिया जैसी दिक्कतों की पहचान करता है ताकि सही इलाज शुरू हो सके।

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म प्रोफाइल

यह टेस्ट यह बताता है कि बच्चे का शरीर खाने को कैसे पचा रहा है और ऊर्जा में कैसे बदल रहा है। अगर बच्चा मोटा हो रहा है, बार-बार प्यास लग रही है, कमजोरी महसूस कर रहा है या अचानक वजन बढ़ या घट रहा है, तो यह टेस्ट करवाना जरूरी है। इससे डायबिटीज या मेटाबॉलिज्म से जुड़ी समस्याओं का भी पता चलता है। समय रहते डॉक्टर की सलाह लेकर ये टेस्ट करवा लेने से किसी भी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है और बच्चे को सेहतमंद भविष्य दिया जा सकता है।

किसी से भी मिलने में शर्माता है बच्चा, ऐसी टिप्स जो झिझक को करेगी दूर

सोशल स्किल्स यानी सामाजिक कौशल हर इंसान के लिए बहुत ज़रूरी होते हैं। जो लोग बिना झिझक के किसी से भी बात कर लेते हैं उन्हें न सिर्फ उनकी पर्सनल लाइफ में बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी बहुत फायदा होता है। ऐसे लोग ज़िंदगी की दौड़ में अक्सर आगे रहते हैं और कई बार लीडिंग रोल भी निभाते हैं।

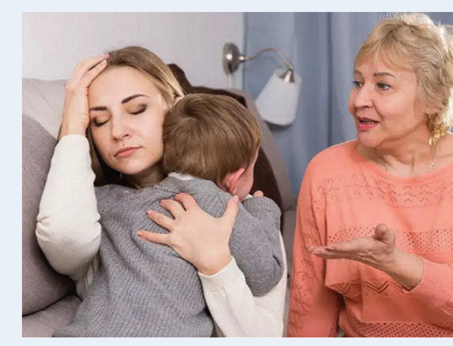

सोशल स्किल्स का विकास बचपन से होता है

लोगों में ये सोशल स्किल्स बचपन से ही विकसित होने लगती हैं। सभी माता-पिता यही चाहते हैं कि उनका बच्चा स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करे। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा मॉनीटर बने, क्लास रिप्रेजेंटेटिव बने, हेड बॉय या हेड गर्ल बने और जब वो स्कूल से बाहर आए तो काम की जगह भी लीडिंग रोल निभाए।

झिझकने वाले बच्चों के लिए पेरेंट्स की चिंता

लेकिन कई बच्चे दूसरों से बात करने में शर्माते हैं, वे झिझकते हैं। ऐसे बच्चों को लेकर माता-पिता बहुत चिंतित हो जाते हैं। उन्हें डर होता है कि कहीं उनके बच्चे का भविष्य खतरे में तो नहीं है। पेरेंट एजुकेटर अर्पिता अक्षय पिथावा कहती हैं कि ऐसे शर्माने वाले बच्चों को सही तरीके से समझाया जाए तो उनकी झिझक दूर हो सकती है। इससे बच्चों की सोशल स्किल्स में सुधार होता है और वे ज्यादा आत्मविश्वासी बनते हैं।

बच्चे की सोशल स्किल्स कैसे सुधारें

इंट्रोवर्ट होना बुरा नहीं है: पेरेंट्स को यह समझना बहुत ज़रूरी है कि इंट्रोवर्ट होना बुरा नहीं होता। अगर बच्चे के सामने बार-बार ये कहा जाए कि वह बहुत शर्माता है या किसी से बात नहीं करता, तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम हो जाता है। इसलिए पेरेंट्स को बच्चे के सामने इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए।

अपनी कहानियां बच्चे से शेयर करें: अपने बचपन की या अपनी ऑकवर्ड कहानियों को बच्चे के साथ शेयर करें। उसे बताएं कि जब आप पहली बार ऑफिस गए थे तो आपका दिन कैसा गुजरा था। इससे बच्चे के दिमाग में यह बात बनती है कि पहले और अब के समय में आपके भीतर कितना बदलाव आया है। इस तरह बच्चे खुद भी प्रेरित होते हैं।

गेस्ट आने से पहले बच्चे को तैयार करें: अगर घर में कोई मेहमान आने वाला है या आप कहीं जाने वाले हैं, तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे समझाएं कि जब मेहमान आए तो उन्हें कैसे नमस्ते या हाय-हैलो कहना है। इंट्रोवर्ट बच्चे अचानक से यह नहीं समझ पाते कि दूसरों के सामने कैसे व्यवहार करना चाहिए। इसलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करना बहुत जरूरी होता है।

रोल प्ले खेलें: रोल प्ले एक बहुत अच्छा तरीका है बच्चों की सोशल स्किल्स बढ़ाने का। आप बच्चे के साथ रोल प्ले खेल सकते हैं, जिसमें आप टीचर बनें और बच्चा स्टूडेंट। इस तरह बच्चा बातचीत करना और खुद को व्यक्त करना सीखता है। इससे उसके कॉन्फिडेंस में भी वृद्धि होती है।

हमउम्र बच्चों के साथ खेलना: अपने बच्चे के उम्र के दूसरे बच्चों को घर बुलाएं। हमउम्र बच्चों के साथ खेलना और बातचीत करना बच्चे के लिए घुलने-मिलने को आसान बनाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स भी बेहतर होती हैं और वह दूसरों के साथ सहज महसूस करता है।

अगर माता-पिता इन तरीकों को अपनाएं तो बच्चों में सोशल स्किल्स का विकास होता है और उनकी झिझक भी दूर होती है। इससे बच्चे स्कूल और जीवन दोनों में आगे बढ़ सकते हैं।

क्या सच में दूध पीने से बढ़ती है बच्चों की हाइट?

बचपन में सही पोषण और हेल्दी लाइफस्टाइल बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह न सिर्फ उसकी हाइट, हड्डियों की मजबूती बल्कि दिमागी विकास में भी मदद करता है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा लंबा, तंदुरुस्त और तेज़ दिमाग वाला हो। इसलिए वे बच्चों के खानपान का खास ध्यान रखते हैं।

क्या दूध पीने से बच्चों की हाइट बढ़ती है?

दूध को पारंपरिक रूप से संपूर्ण आहार माना जाता है। इसमें मौजूद कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन्स बच्चों की हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत करते हैं। अक्सर हम सुनते हैं कि दूध पीने से लंबाई बढ़ती है। डॉक्टरों का कहना है कि दूध सीधे तौर पर लंबाई नहीं बढ़ाता लेकिन यह उन पोषक तत्वों की पूर्ति करता है जो हाइट ग्रोथ में मदद करते हैं। यानी अगर दूध को बैलेंस डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल के साथ लिया जाए तो यह हाइट बढ़ाने में मददगार हो सकता है।

हाइट किन बातों पर निर्भर करती है?

अनुवांशिकता : माता-पिता की हाइट का सीधा असर बच्चों पर पड़ता है। अगर माता-पिता लंबे हैं तो बच्चों के लंबे होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोषण : सही और संतुलित पोषण से हड्डियों और मांसपेशियों का विकास सही ढंग से होता है। बच्चों की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और जरूरी विटामिन्स होना चाहिए।

फिजिकल एक्टिविटी: योग, स्ट्रेचिंग, स्विमिंग और आउटडोर खेल बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उन्हें एक्टिव रखें।

नींद: गहरी नींद के दौरान ग्रोथ हार्मोन रिलीज होते हैं। बच्चों को हर दिन 8-10 घंटे की नींद जरूर देनी चाहिए।

दूध पीने का सही समय और तरीका

दूध सुबह या रात को सोने से पहले देना सबसे अच्छा माना जाता है। दूध में ज्यादा मीठा या चॉकलेट पाउडर न मिलाएं। इससे पोषण कम हो सकता है। दूध को हल्का गर्म करके देना बेहतर है ताकि वह जल्दी पच सके। अगर बच्चा दूध नहीं पीता या उसे लैक्टोज इन्टॉलरेंस है तो आप फोर्टिफाइड सोया मिल्क, बादाम मिल्क या ओट मिल्क दे सकते हैं।

बच्चे की हाइट नहीं बढ़ रही तो क्या करें?

बच्चे की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन ष्ठ शामिल करें। दूध, अंडा, दालें, हरी सब्जियां, फल और नट्स रोजाना खिलाएं। बच्चे को रोज खेल-कूद, योग और एक्सरसाइज के लिए प्रोत्साहित करें। पर्याप्त नींद (8-10 घंटे) दिलाना जरूरी है। इसके बावजूद हाइट नहीं बढ़ रही है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

क्या खिलाने से बच्चों की हाइट बढ़ सकती है?

बच्चों को प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन डी और जिंक युक्त आहार देना चाहिए। दूध, दही, अंडा, हरी सब्जियां, दालें, अंकुरित अनाज और फल इनकी डाइट का हिस्सा हों। जंक फूड और सॉफ्ट ड्रिंक्स से बचाव जरूरी है।

क्या लटकने से लंबाई बढ़ती है?

हां, लटकने से रीढ़ की हड्डी पर खिंचाव आता है जिससे लंबाई बढ़ाने में थोड़ी मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज पोश्चर सुधारने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करती है। लेकिन सिर्फ लटकने से लंबाई नहीं बढ़ती, इसके साथ अच्छी डाइट, पर्याप्त नींद और अन्य एक्सरसाइज जरूरी हैं।

दूध बच्चों के विकास में सहायक जरूर है, लेकिन यह अकेले लंबाई नहीं बढ़ा सकता। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और स्वस्थ जीवनशैली जरूरी है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को संपूर्ण पोषण दें और उनके मानसिक व शारीरिक विकास पर ध्यान दें।

बरसात में बच्चों की यूं करें देखभाल, तो वे नहीं पड़ेंगे बार-बार बीमार

मानसून में मच्छरों और संक्रमण पैदा करने वाले कीटाणुओं का खतरा बढ़ जाता है जो निस्संदेह आपके बच्चों के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे मामलों से बचने के लिए माता-पिता को अपने शिशुओं का ध्यान रखने के लिए एक्स्ट्रा एफर्ट करने की जरूरत होती है। इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में जानेंगे जिनसे बच्चे को बीमार पड़ने से बचाया जा सके ।

माता-पिता बारिश के मौसम में अपने बच्चों को ऐसे रखें ख्याल

मानसून बहुत जल्द दस्तक देने जा रहा है, जो धीरे-धीरे गर्मी का प्रचंड रूप शांत करके लोगों को राहत दिलाएगा। वहीं, गर्मी से बेहाल लोग भी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, यह मौसम दूसरों के लिए जितना सुकून लेकर आएगा, नए माता-पिता के लिए उतनी ही परेशानियां क्योंकि मानसून का महीना केवल बारिश ही नहीं बल्कि बीमारी के लिए भी मशहूर है। ऐसे में नए पेरेंट्स अपने बच्चे का ख्याल कैसे रखें यह सबसे बड़ा सवाल है। इस आर्टिकल में हम इसी के बारे में जानने की कोशिश करेंगे कि मानसून के दौरान छोटे बच्चों को बीमारियों से कैसे बचाकर रखें।

मानसून में बच्चों को बीमारी से कैसे बचाएं?

बारिश के मौसम में पानी से होने वाले संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है, ऐसे में बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना भी अधिक रहती है। इसलिए पहली बार माता-पिता बने कपल को अपने बच्चे को मानसून में स्वस्थ्य रखने के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके लिए आदतों में कुछ बदलाव और थोड़ी सावधानी आपका काम काफी आसान कर सकती है।

बारिश से बचाएं

कोशिश करें कि अपने बच्चे को बारिश में भीगने से बचाएं। इसके लिए छाते, रेनकोट और रेन बूट जैसी आजमाई हुई चीजें आपके काम आ सकती हैं। बच्चों को बाहर ले जाने से पहले ध्यान दें कि उनके पास सभी आवश्यक चीजें हैं। बरसात के मौसम के दौरान, तापमान में भी तेजी से गर्माहट और ठंडक का अनुभव होता है। वहीं नमी से बचने के लिए बच्चों को आरामदायक सूती कपड़े पहनाएं, लेकिन जब मौसम ठंडा हो जाए, तो उन्हें थोड़े मोटे कपड़े पहनाएं। ध्यान रखें कि बच्चे के कपड़े पूरी तरह सूखे हों क्योंकि बरसात के मौसम में कपड़े नमी सोख लेते हैं, जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

डायपर गीला न रहे

बरसात के मौसम में बच्चे को एक मिनट के लिए भी गीला डायपर न पहनने दें। सर्द या बरसात के दिनों में बच्चे अन्य मौसमों की तुलना में अधिक पेशाब करते हैं, जिससे उनकी स्किन पर रैशेज हो सकते हैं। इसके अलावा इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है और उन्हें ठंड भी लग सकती है। इसलिए, याद रखें कि जैसे ही आपको लगे कि आपके बच्चे की नैपी गीली या गंदी हो गई है, तो उसे तुरंत बदल दें।

बीमारियों को नजरअंदाज न करें

बुखार, शारीरिक दर्द, छींक आना और अन्य लक्षण मानसून से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा इस मौसम में वायरल इंफेक्शन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे कोई भी लक्षण नजर आने पर सीधे अपने डॉक्टर से संपर्क करें और बीमारी से लड़ने के लिए उचित सावधानी बरतें, भले ही यह शुरुआती दौर में ही क्यों न हों।

मच्छरों को दूर रखें

मच्छर के काटने से नवजात शिशु को गंभीर परेशानियां हो सकती हैं, जिससे उनके शरीर पर रेडनेस और सूजन भी हो सकती है। ऐसे में बच्चे के मच्छरदानी में रखें, जिससे वे अच्छी और भरपूर नींद सो सकें। वहीं शाम के वक्त उन्हें पूरी तरह से ढके हुए कपड़े पहनाएं। अगर आपके पास मच्छरों को भगाने के लिए कोई नेचुरल रेमेडी है, तो उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मानसून सीजन में बच्चे को कब नहलाएं?

बड़ों की तरह बच्चों को रोजाना नहाने की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि वे अपना अधिकांश समय घर के अंदर ही बिताते हैं। ऐसे में मानसून सीजन में बच्चे को हफ्ते में दो से तीन बार नहलाना काफी होगा। खासकर उमस भरे मौसम में, गर्मी से राहत दिलाने के लिए यह काफी होगा। लेकिन अगर आप बच्चे को बाहर लेकर गए हैं, तो उसे गुनगुने पानी से नहलाएं। बचपन की अधिकांश यादें बारिश में खेलने और कागज की नाव चलाने से बनती है। इसलिए उनकी यादों को बनने से रोकना नहीं है बल्कि सही देखभाल के जरिए उन्हें बरसात के मौसम का अधिकतम लाभ उठाने देना है।

आसमान की रानी फिलीपाइन ईगल

तेजी से लुप्त होते पक्षियों की श्रेणी में आती है फिलीपाइन ईगल। यह चील प्रजाति की ही है, पर दूसरी चीलों से अधिक बड़ी और ताकतवर होती है। यह मुख्य तौर से फिलीपींस में पाईजाती है। पशुओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक कहते हैं कि जिस तरह जंगल का राजा शेर होता है, उसी तरह फिलीपाइन ईगल आसमान कीरानी है। इसे 4 जुलाई 1995 को फिलीपींस की नेशनल बर्ड घोषित किया गया था।

फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी कंगना की भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत बीते कुछ दिनों से फिल्मों से ज्यादा राजनीति में सक्रिय हैं। लेकिन अब उनके फैंस का इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

कंगना रनौत की आने वाली फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। मेकर्स ने इसका पोस्टर जारी कर रिलीज डेट का खुलासा किया है। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा– 'एक साधारण लोगों की असाधारण कहानी! वो रात, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बनकर सामने आई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता ने कर्तव्य निभाया और जब हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनकही कहानी।' बता दें कि फिल्म में भारत के उन हीरोज की कहानी बताएगी, जो अनसुनी है।

बता दें कि फिल्म में कंगना रनौत लीड रोल में नजर आएंगी। इसे मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया हैं। 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस कंगना की वापस फिल्मों में वापसी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला इम्तियाज अली की आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' से होगा। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित 'मैं वापस आऊंगा' एक लव स्टोरी है। 'मैं वापस आऊंगा' भी 12 जून को रिलीज होगी, जिसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी वाघ और वेदांग रैना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पूजा बत्रा का खुलासा

लंबे कद की वजह से छिनी कई फिल्में

1997 में आई फिल्म 'विरासत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा ने मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी। पूजा बत्रा कई हिंदी फिल्मों का हिस्सा रहीं। हालांकि, सफल डेब्यू के बावजूद उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रह सका। हाल ही में पूजा बत्रा ने बताया कि उनकी लंबी हाइट के चलते भी उन्हें कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि अधिकांश एक्टर्स की हाइट उनसे कम थी, लेकिन उनमें ईगो इतना था कि वो हीरोइन को खुद से लंबा नहीं दिखने देना चाहते थे। इसलिए वो हीरोइनों को खुद से छोटा दिखाना चाहते थे।

मेरी हाइट की वजह से हीरो घबरा जाते थे

पूजा बत्रा ने अपने शुरुआती दौर में संगीता बिजलानी की एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है संगीता बिजलानी ने मुझसे कहा था, 'फिल्मों में तुम्हारा कोई चांस नहीं है क्योंकि तुम बहुत लंबी हो'। संगीता की इस चेतावनी से मुझे निराशा हुई थी। लेकिन वह मेरी आदर्श हैं। वह खूबसूरत हैं और एक मॉडल भी हैं। मुझे जो भी रोल मिला, मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। भले ही मेरे कद की वजह से हीरो घबरा जाते थे। यह सच है कि मेरी लंबाई की वजह से मुझे बहुत सी फिल्में नहीं मिलीं। मैंने कई अच्छे रोल खो दिए। पूजा ने दावा किया कि उनके और संगीता जैसी लंबी अभिनेत्रियों ने सुष्मिता और दीपिका जैसी लंबी अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाया। इन्हें मुझे धन्यवाद कहना चाहिए।

सिनेमा में आए बदलाव से खुश हैं पूजा बत्रा

हिंदी सिनेमा में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि काफी बदलाव हुआ है। न केवल सोच में बदलाव के कारण, बल्कि सिनेमास्कोप में आए तकनीकी बदलावों के कारण भी काफी कुछ सुधार हुआ है। छोटे कद के लोगों को नुकसान होता है, क्योंकि वे कैमरे पर अपनी असल लंबाई से ज्यादा मोटे दिख सकते हैं। दुनिया के ज्यादातर मशहूर अभिनेता बहुत लंबे नहीं हैं। छोटे कपड़े पहनने और अपने फैशन सेंस को पर्दे पर उतारने के लिए पूजा हमेशा फिल्मों में अपने खुद के कपड़े पहनती थीं। उन्हें याद है कि जब वह अपने निजी कपड़ों में सेट पर आती थीं, तो निर्देशक उनसे कहते थे, उसे वही पहनने दो जो उसने पहना है। लेकिन वे उनसे मेकअप हटाने के लिए भी कहते थे क्योंकि उन्हें नैचुरल लुक चाहिए होता था। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं सोचती थी, कम से कम सनब्लॉक तो लगाने दो।'

मिस इंडिया इंटरनेशनल बनने के बाद फिल्मों में की थी एंट्री

पूजा बत्रा ने 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद मॉडलिंग और फिर फिल्मों में एंट्री की थी। उन्होंने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया। 2003 में उन्होंने एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से शादी की और लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया में बस गईं। लेकिन 2011 में तलाक के बाद वह भारत लौट आईं। इसके बाद उन्होंने 'हम तुम शबाना' (2011), 'एबीसीडी 2' (2015) और अन्य हॉलीवुड फिल्मों से वापसी की। उन्होंने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से दोबारा शादी की।

'फोर्स 3' के लिए हर्षवर्धन कर रहे कड़ी मेहनत

अभिनेता हर्षवर्धन राणे फिल्म 'फोर्स 3' के एक्शन सीन्स के लिए किसी सुनसान इलाके में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकारों जॉन अब्राहम और तान्या मानिकतला के साथ वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में 42 साल के हर्षवर्धन ट्राइसेप्स के लिए बैंड एक्सरसाइज करते दिख रहे हैं, फिर भारी वजन उठाकर अपनी पीठ, कंधों और बाइसेप्स की ट्रेनिंग करते दिख रहे हैं। आखिर में शोल्डर श्रग्स से अपना वर्कआउट पूरा किया। हर्षवर्धन ने बताया कि मुंबई जाने में रोजाना दोनों तरफ से 5 घंटे से ज्यादा समय लग जाता है। इसलिए उन्होंने अपने ट्रेनर से अनुरोध किया कि वे शूटिंग लोकेशन पर ही उन्हें ट्रेनिंग दें।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं। अनन्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें।

उन्होंने कहा, 'मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे।' अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।

उन्होंने बताया, 'फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को कल्याणी प्रियदर्शन ने बताया सुखद अनुभव

'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' की सफलता से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन अब इंटरनेशनल लेवल पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। यह कल्याणी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक में अपने डेब्यू पर अब कल्याणी ने खुशी जताई है।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को लेकर कल्याणी ने कहा कि कान फिल्म फेस्टिवल हमेशा से सिनेमा का एक प्रतिष्ठित उत्सव रहा है, इसलिए इस साल वहां होना बहुत खास लग रहा है। 'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' को मिले प्यार के लिए मैं आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारतीय सिनेमा को इस समय ग्लोबली एक शानदार तरीके से पहचान मिल रही है। ऐसे में लोका के जरिए इंटरनेशनल लेवल पर पहचान बनाना और अब कान फिल्म फेस्टिवल जैसे मंच का अनुभव करना काफी अच्छा लग रहा है और एक सुखद अनुभव है।

कान फिल्म महोत्सव के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए कल्याणी ने कहा कि मैं बस पूरे अनुभव का आनंद लेना चाहती हूं और खुद पर ज्यादा दबाव डाले बिना आसानी से आगे बढ़ना चाहती हूं।

79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन 23 मई तक किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह हर साल की तरह फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा के कान शहर के 'पैलेस डेस फेस्टिवल्स' में किया जाएगा। कान फिल्म फेस्टिवल में हर साल कई भारतीय सेलेब्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। अब इसी लिस्ट में कल्याणी प्रियदर्शन का भी नाम शामिल होने जा रहा है।

छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति श्रद्धा और रितेश के साथ पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ की

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म को काफी तारीफें मिली हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच ऐसी खबर आई कि फिल्म के लिए कुछ सितारों ने बिल्कुल फीस नहीं ली। इनमें अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं, जिन्होंने फीस के तौर पर सिर्फ रितेश देशमुख की मां के हाथ के ठेंचा (एक किस्म की चटनी) की डिमांड की थी। अभिषेक बच्चन यह फिल्म बिना फीस के करने को राजी क्यों हुए?

क्यों माफ की अभिषेक बच्चन ने फीस

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया था कि अभिषेक बच्चन ने कथित तौर पर फिल्म 'राजा शिवाजी' के लिए फीस चार्ज की थी। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने ऐसी अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये दावे झूठे हैं। अभिनेता ने ऐसे वक्त में अपनी फीस को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जब हाल ही में रितेश देशमुख ने कहा था कि फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस देने वाले कई सितारों ने फीस नहीं ली। इनमें सलमान खान, विद्या बालन और अभिषेक शामिल हैं। सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा और रितेश के साथ अपनी पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ कर दी थी।

कला का रूप दिल से शुरू होता है

अभिषेक बच्चन ने भी अपनी फीस को लेकर बातचीत में कहा कि एक्टर्स किसी ऐसे विजन के लिए अपनी फीस कम करने या छोड़ने को तैयार रहते हैं, जिस पर उन्हें भरोसा हो। उन्होंने कहा, 'आज के जमाने में ऐसी बहुत सारी रील्स हैं, जिनमें लोग तथ्यों और आंकड़ों के बारे में बात करते हैं। एक्टर ने कहा, 'लोगों को यह बात करना पसंद है कि कोई एक्टर या एक्ट्रेस कितनी ज्यादा फीस ले रहा है और कितनी वैन की मांग कर रहा है, लेकिन असल में यह एक कला का रूप है जो दिल से शुरू होता है। अगर हमें किसी चीज पर भरोसा है, तो हमें अपनी फीस छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह कोई लेन-देन नहीं है। यह एक इमोशनल ट्रांजैक्शन है।

अभिषेक बच्चन ने की सिर्फ ठेचा की डिमांड

बता दें कि हाल ही में खुद रितेश देशमुख ने इसका खुलासा किया कि सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे बड़े सितारों ने इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली है। अभिषेक बच्चन ने तो फीस की जगह सिर्फ रितेश की मां के हाथ का बना हुआ ठेचा मांगा। रितेश ने कहा, 'जब मैंने अभिषेक बच्चन को कहानी सुनाई और बताया कि मैं इस फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं। यह छत्रपति शिवाजी महाराज पर है तो उन्होंने कहा– 'मुझे पैसे नहीं चाहिए, मुझे बस तुम्हारी मां के हाथ का बना ठेचा चाहिए'।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।